website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 321 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

रील और इंटरनेट डाटा बना बिहार में चुनावी मुद्दा

-प्रधानमंत्री मोदी ने अपने-अपने तरीके से फायदे नुकसान गिनाए

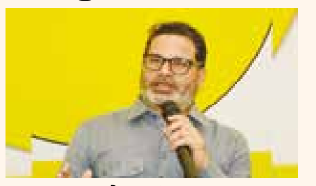

पटना। बिहार चुनाव में रील और डेटा को लेकर पीएम मोदी और कांग्रेस आमने-सामने हैं। मोदी ने सस्ते डेटा और रील को युवाओं के लिए उपलब्धि बताया, वहीं राहुल गांधी ने इसे समय की बर्बादी कहा है। यह विवाद चुनाव की बीच डिजिटल इंडिया, युवा रोजगार और सोशल मीडिया के प्रभावों की ओर खिचता जा रहा है। बिहार चुनाव में सियासी बयानबाजी अपने चर्म पर है। जहां सत्तापक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाने में लगा है, वहीं विपक्ष सरकार की नाकामियों पर उसे घेर रहा है। भारत में 4G आने के बाद से इंटरनेट पैक काफी सस्ते हुए हैं, जिसकी मदद से इंटरनेट को हर वर्ग तक पहुंचाने में खासा मदद मिली है। भारत सरकार के डिजिटल इंडिया लक्ष्य में सस्ते डेटा ने बड़ी भूमिका निभाई है और अब NDA इसे बिहार चुनावों में भुनाना चाह रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार से अपने बिहार चुनाव प्रचार की शुरुआत की, अपने पहले ही भाषण में उन्होंने सोशल मीडिया रील ट्रेंड पर बड़ी बात कही। उन्होंने इसे अपनी सरकार की उपलब्धि बताते हुए कहा कि हाल में 1 जीबी डेटा की कीमत एक कप चाय से भी कम है। उन्होंने कहा कि बिहार के बहुत सारे युवा इंटरनेट से अच्छी-खासी कमाई कर रहे हैं और अपनी कला और क्रिएटिविटी पूरी दुनिया को दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने इस बयान के जरिए रील ट्रेंड की सराहना की और सस्ते डेटा के लिए अपनी पीठ थपथपाई। लेकिन बिहार कांग्रेस ने उन्हें इसपर घेर लिया है। बिहार कांग्रेस ने अपने एक्स पर राहुल गांधी के रील को लेकर विचार शेयर करते हुए कैप्शन दिया, 'अंतर साफ है' और यूजर्स से सवाल किया कि रील मुद्दे पर कौन सही हैं?

रील को लेकर राहुल गांधी ने क्या कहा था?

बिहार कांग्रेस की ओर से शेयर की गई इस पुरानी वीडियो में राहुल गांधी युवाओं पर एक तीखी टिप्पणी करते हुए नजर आ रहे हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि आज के युवा रोजाना 7-8 घंटे रील देखते रहते हैं और दोस्तों को भेजते रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, "अंबानी और अडानी के बेटे वीडियो नहीं देखते, वे पैसे गिनने में व्यस्त रहते हैं।" पीएम मोदी के बयान और राहुल गांधी की टिप्पणियों ने ऑनलाइन विशेषाधिकार, अवसर और भारत के युवाओं की दिशा पर बहस छेड़ दी है। एक तरफ पीएम मोदी रील ट्रेंड और सस्ते डेटा की सराहना कर रहे हैं, वहीं राहुल गांधी इसे आम युवाओं को बर्बाद करने वाला बता रहे हैं, जो दिन के 7-8 घंटे इसमें बर्बाद कर रहा है।

'हमें डेटा नहीं, बेटा चाहिए'-PK

पीएम मोदी के बयान पर जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी ने दो दिन पहले बिहार में कहा था कि हम बिहार में सस्ता डेटा उपलब्ध करा रहे हैं। मैं उनसे कहना चाहता हूं – 'हमें डेटा नहीं, बेटा चाहिए'... आप कारखाने गुजरात ले जाएंगे और डेटा बिहार को देंगे ताकि यहां के लोग अपने बच्चों को केवल वीडियो कॉल पर ही देख सकें।"

रील देखने और बनाने वालों की बात

पीएम मोदी का भाषण रील बनाने वालों पर केंद्रित था। हाल के सालों में देखा गया है कि कई रील क्रिएटर्स सोशल मीडिया के जरिए अच्छा पैसा कमा रहे हैं और अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। वहीं राहुल गांधी ने जनता का ध्यान रील देखने वालों पर खींचा है, जो अपने दिन के 6-7 घंटें डूम स्क्रोलिंग में बर्बाद कर रहे हैं। जिससे उनकी पढ़ाई, काम आदि पर नकारात्मक असर पढ़ रहा है। बता दें, संख्या के आधार पर की रील देखने वाले रील बनाने वालों से कई गुना ज्यादा हैं।

क्या कहती है रिसर्च?

डॉक्टर्स लोगों को अपने फोन पर बिताए जाने वाले घंटों को कम करने की सलाह देते हैं, क्योंकि इसे मेंटल हेल्थ के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ के लिए भी खतरनाक बताया गया है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन के सर्वे के मुताबिक इंटरनेट की लत से सोशल कॉग्निटिव फ्रेमवर्क में सेल्फ कंट्रोल पावर में कमी आती। NLB का यह यह सर्वे शिक्षा और छात्रों पर सोशल मीडिया के विभिन्न सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों पर केंद्रित है। इस रिसर्च में माना गया कि इसके नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए सोशल मीडिया तक छात्रों और युवाओं की पहुंच को सीमित करना होगा। सोशल मीडिया साइटों पर बिताए जाने वाले समय को कम करके अधिकांश नुकसानों को कम किया जा सकता है।

बिहार विधानसभा में भाजपा को हराने की जिम्मेदारी मुसलमानों की होगी

-14 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत आबादी वाले बनेंगे मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री
-18 प्रतिशत जनसंख्या वाला मुस्लिम समुदाय की हैसियत सिर्फ वोट बैंक की ही रहेगी

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा को हराने की जिम्मेदारी मुसलमानों के ऊपर आ गई। जबकि 14 प्रतिशत आबादी वाले यादव समाज के तेजस्वी यादव जो राजद के लीडर हैं मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी तरह 2.5 प्रतिशत कश्यप (निषाद/ मल्लाह) समाज के नेता मुकेश साहनी बिहार के उप मुख्यमंत्री बनेंगे। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में बिहार की सत्ता संभालने का सपना देख रहे इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों ने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के पद चुनाव से पहले ही बांट लिए हैं। इंडिया गठबंधन को थोक के भाव वोट देने वाले मुस्लिम समाज के हिस्से में सिर्फ भाजपा को हराने की जिम्मेदारी दी है। फिर भी मुस्लिम समाज इंडिया गठबंधन के साथ खुश दिखाई दे रहा है। इंडिया गठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में 35-40 टिकट दिए थे जबकि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में घटकर 29 टिकट ही दिए हैं। मुस्लिम समाज में राजनीतिक जागरूकता की कमी होने के कारण सभी विपक्षी राजनीतिक दल सिर्फ मुस्लिम वर्ग को वोट बैंक समझने लगे हैं। ज्यादातर विपक्षी दल मुसलमानों के वोट इसलिए लेना चाहते हैं कि भाजपा को सत्ता में आने से रोकना है। मुसलमानों में भाजपा का डर बिठाया जा रहा है। यह सही भी है कि भाजपा के 12 वर्ष के शासन में मुस्लिम समाज को हासिये पर धकेलने की कोशिश की गई है। मुसलमानों के बुनियादी पहचान को समाप्त करने की कोशिश हुई है। तीन तलाक, आरएनआरसी, एनआरसी, वक्फ एमेंडमेंट बिल, मदरसों एवं मस्जिदों पर बुलडोजर एवं मुस्लिम समाज का उत्पीड़न जैसी घटनाओं ने मुस्लिम समाज को भाजपा से काफी दूर कर दिया है। लेकिन विपक्षी राजनीतिक दल भाजपा और मुस्लिम वर्ग के बीच की दूरी का पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। मुस्लिम वोटरों के सहारे सत्ता में आने के बाद कांग्रेस, राजद एवं अन्य दल मुसलमानों के योगदान को भूल जाते हैं। उन्हें भाजपा का डर दिखाकर सरकारों और पार्टियों में उचित भागीदारी नहीं दी जाती है।

बिहार में मुसलमानों को कम टिकट दिए गए हैं-

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में इंडिया गठबंधन ने मात्र 29 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं। जिनमें राजद ने 19, कांग्रेस ने 10 और सीपीआई (एमएल) ने 2 टिकट दिए हैं। पिछले बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में इंडिया गठबंधन ने 35-40 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए थे। इसी तरह एनडीए ने पिछली बार 12 से 15 मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव में उतारे थे। लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मात्र 5 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए गए हैं। जिनमें जेडीयू ने 4 मुस्लिम उम्मीदवार एवं एलजीपी (पासवान) ने 1 मुस्लिम उम्मीदवार को टिकट दिया है। जबकि भाजपा जो बिहार में 101 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है, एक भी मुस्लिम को उम्मीदवार नहीं बनाया है। बिहार प्रदेश में मुसलमानों की आबादी 18 प्रतिशत है। इसलिए मुसलमान की जनसंख्या के अनुसार बिहार विधानसभा में करीब 44 मुस्लिम विधायक जीतकर पहुंचने चाहिए लेकिन ऐसा होता नहीं है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में करीब 23 मुस्लिम विधायक जीतकर आए थे।

एआईएमआईएम ने उतारे 24 उम्मीदवार-

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने 24 उम्मीदवारों को चुनावी मैदान में उतारा है। जिनमें से एक उम्मीदवार हिंदू राजपूत समाज से है। बिहार विधानसभा चुनाव 2020 में ओवैसी की पार्टी के पांच मुस्लिम उम्मीदवार जीत कर आए थे। ओवैसी की पार्टी से इंडिया और एनडीए किसी भी गठबंधन ने साथ चुनाव लड़ने का समझौता नहीं किया है। दोनों गठबंधन ओवैसी की पार्टी को सांप्रदायिक पार्टी मानते हैं। ओवैसी की पार्टी इस बार विधानसभा 2025 में अपनी ताकत दिखाने के लिए बेताब है। माना जा रहा है कि 10 सीटों पर ओवैसी के उम्मीदवार बढ़त बना सकते हैं। देश के मुसलमान ओवैसी की पार्टी का कम ही साथ देते हैं। लेकिन ओवैसी ने मुसलमानों को जिस प्रकार राजनीतिक रूप से जागरूक किया है उसे दूसरे राजनीतिक दलों में बेचैनी फैली हुई है। मुसलमान अब सरकार और राजनीति में भागीदारी की बात करने लगा है। मुस्लिम वर्ग अब भाजपा को हराने का अकेले ठेकेदार नहीं बना रहना चाहता है। इसलिए कहा जा सकता है कि इस बार का मुस्लिम बिहार में पहले से ज्यादा जागरूक होकर वोट कर सकता है। जो मुसलमानों के भविष्य को लेकर काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है।

महाराष्ट्र में बीजेपी का नाम बदलो मिशन जारी, अब इस्लामपुर बनेगा 'ईश्वरपुर'!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कई स्थानों के नाम बदलने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने यह परंपरा अब महाराष्ट्र में भी शुरू कर दिया है। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने सांगली जिले के 'इस्लामपुर शहर' का नाम बदलकर 'ईश्वरपुर' करने के प्रस्ताव को औपचारिक रुप से मंजूरी दे दी है। हालांकि, सरकार ने नाम बदलने का ऐलान राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन ही कर दिया था। इससे पहले 18 जुलाई 2025 को सरकार ने ऑफिशियल तौर पर बताया कि इस्लामपुर का नाम बदलकर 'ईश्वरपुर' किया जाएगा। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि यह फैसला राज्य सरकार का एक एजेंडा है, जो धुव्रीकरण के लिए किया जा रहा है। इसके तहत महाराष्ट्र की दक्षिणपंथी सरकार कई स्थानों के नाम बदलने जा रही है। यह घोषणा राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा में किया। उन्होंने बताया कि राज्य मंत्रिमंडल ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है और अब इसे अंतिम स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। भुजबल ने कहा, "नाम बदलने का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। राज्य कैबिनेट ने अपना काम पूरा कर लिया है और अब प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है।" मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस्लामपुर का नाम बदलने की मांग नई नहीं है। यह मांग सबसे पहले साल 1986 में उठी थी। तब से लेकर अब तक कई बार यह मुद्दा सामने आता रहा। हाल ही में यह मांग फिर से शिव प्रतिष्ठान नाम के संगठन ने उठाई। इस संगठन की अगुवाई कट्टर हिंदुत्व विचारधारा से जुड़े कार्यकर्ता संभाझी भिडे करता है। शिव प्रतिष्ठान संगठन ने सांगली कलेक्ट्रेट में एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें इस्लामपुर का नाम बदलने की मांग की गई थी। संगठन ने चेतावनी दी थी कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा और पीछे नहीं हटेगा। अब राज्य सरकार के जरिये प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने के बाद यह मामला केंद्र सरकार के पास जाएगा, जिसके बाद औपचारिक रूप से नाम बदलने की प्रक्रिया पूरी होगी। इस फैसले को लेकर महाराष्ट्र में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। सरकार का यह कदम राज्य में चल रही एक खास समुदाय से ताल्लुक रखने वाले नाम बदलने की परंपरा के जरिये अपना सियासी आकंक्षा पूरी करना है। पिछले कुछ सालों में बीजेपी सरकार राज्य के कई प्रमुख जगहों के नाम बदल चुकी है। इससे पहले ऐतिहासिक औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर, उस्मानाबाद का नाम धाराशिव और अहमदनगर का नाम अहिल्यानगर कर दिया है।

स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत नहीं देना धर्मनिरपेक्ष शिक्षा से वंचित करना है- केरल सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल सरकार ने हाई कोर्ट में कहा कि मुस्लिम लड़की को स्कूल में हिजाब पहनने की इजाजत न देना, उसकी निजता और गरिमा पर हमला है। यह उसे धर्मनिरपेक्ष शिक्षा के उसके अधिकार से इनकार करना है। सरकार ने कहा कि लड़की का अपने घर में और घर के बाहर हिजाब पहनने का अधिकार विद्यालय के द्वार पर खत्म नहीं हो जाता है। ये बातें एक हलफनामे में कही गई हैं, जो पल्लुरुथी में चर्च संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल की याचिका के जवाब में दायर किया गया था।

याचिका में सामान्य शिक्षा विभाग के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें मुस्लिम लड़की को हिजाब पहनकर कक्षा में जाने की इजाज़त दी गई थी। विद्यालय ने विभाग के नोटिस को भी चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया कि शिक्षण संस्थान में गंभीर गड़बड़ी है। जब शुक्रवार को इस मामले पर सुनवाई हुई, तो लड़की की तरफ से पेश हुए वकील ने कहा कि उसके माता-पिता ने उसे इस स्कूल से हटाकर किसी दूसरे शिक्षण संस्थान में प्रवेश दिलाने का फैसला किया है।

हाई कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा

छात्रा के माता-पिता की ओर से दी गई दलील को देखते हुए अदालत ने कहा कि विवादित मुद्दों पर जाने की जरूरत नहीं है। उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के वकील की इस बात पर भी ध्यान दिया कि बच्चे के माता-पिता के रुख को देखते हुए, विभाग इस मामले में आगे बढ़ना नहीं चाहता है। जज वीजी अरुण ने कहा, 'यह अदालत देखकर खुश है कि अच्छी समझदारी दिखाई गई है और भाईचारा, जो हमारे महान संविधान की नींव के मुख्य सिद्धांतों में से एक है, मजबूत बना हुआ है। उच्च न्यायालय ने रिट याचिका का निपटारा कर दिया।'

उत्तर प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन बैन

-क्यों दिए जाते हैं हलाल सर्टिफिकेशन
-कौन-सी कंपनियां देती हैं यह सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हलाल सर्टिफिकेशन (Halal Certification) पर दिए बयान से एक बार फिर से यह सर्टिफिकेट सुर्खियों में आ गया है। दरअसल, योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हलाल उत्पाद की खरीद से मिलने वाले रुपये से धर्मांतरण, लव जिहाद और आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। यूपी सरकार ने प्रदेश में हलाल सर्टिफिकेशन को प्रतिबंधित किया हुआ है। यूपी सरकार का आरोप है कि हलाल सर्टिफिकेट जारी करने वाली संस्थाएं ऐसे प्रोडक्ट्स पर भी हलाल सर्टिफिकेट दे रही हैं, जिनमें इसकी जरूरत नहीं है. मुख्यमंत्री योगी ने दावा किया कि जांच से पता चला है कि हलाल सर्टिफिकेशन (CM Yogi on Halal Certification) के नाम पर हर साल करीब 25000 करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन होता था, जबकि इसकी किसी सरकारी एजेंसी से कोई मान्यता नहीं थी। हलाल सर्टिफिकेशन को लेकर मचे इस बवाल के बीच सवाल यह है कि आखिर हलाल प्रोडक्ट्स और हलाल सर्टिफिकेशन क्या होता है, साथ ही भारत में हलाल सर्टिफिकेट कौन-सी कंपनी जारी करती है।

क्या होते हैं हलाल प्रोडक्ट्स-

हलाल प्रोडक्ट से मतलब है कि ऐसी वस्तु जो इस्लामिक कानून या शरिया के अनुसार ग्रहण करने योग्य हो। खाद्य पदार्थों के अलावा, ब्यूटी प्रोडक्ट्स और दवा समेत कई प्रकार की वस्तुओं को हलाल उत्पाद के दायरे में रखा जाता है। उर्दू में हलाल का मतलब 'जायज' होता है। आमतौर पर हलाल का इस्तेमाल मांस को लेकर किया जाता है।

क्या है हलाल सर्टिफिकेशन-

हलाल सर्टिफिकेशन यह सुनिश्चित करता है कि उत्पाद इस्लामी सिद्धांतों के अनुरूप तैयार और प्रोसेस्ड किया गया है। वह वस्तु सूअर के मांस और शराब जैसे निषेध घटकों से मुक्त है, और ऐसी अशुद्ध वस्तुओं के संपर्क में नहीं आई है। ऐसे में सामानों के निर्माण से लेकर स्टोरेज तक के पूरे प्रोडक्शन प्रोसेस में इस्लामी सिद्धांतों के अनुसार साफ किए गए बर्तनों और उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए। वहीं, मांस के संदर्भ में हलाल से मतलब है कि जानवर को एक विशिष्ट तरीके से काटा जाना चाहिए, ना कि झटके से। काटते समय जानवर जीवित और स्वस्थ होना चाहिए। हलाल सर्टिफिकेशन इस बात की गारंटी देता है कि कोई प्रोडक्ट ऊपर बताए गए स्टैंडर्ड पर खरा उतरा है। हालांकि, यह सर्टिफिकेशन अनिवार्य नहीं है, लेकिन कंपनियां अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए या मुस्लिम उपभोक्ताओं को आकर्षित करने के लिए इसकी मांग करती हैं।

प्रोडक्ट पर कहां होता है हलाल सर्टिफिकेशन मार्क-

हलाल सर्टिफाइड मार्क, प्रोडक्ट्स की पैकेजिंग पर अंकित होता है। यह आगे, पीछे या साइड में कहीं भी एक मार्क के साथ अंकित होता है ताकि यह स्पष्ट रूप से दर्शाया जा सके कि प्रोडक्ट हलाल स्टैंडर्ड के अनुरूप है।

कौन जारी करता है हलाल सर्टिफिकेशन-

भारत में हलाल सर्टिफिकेट, सरकार जारी नहीं करती है, बल्कि ये कुछ प्राइवेट कंपनियों और इस्लामिक संस्थाओं द्वारा जारी किए जाते हैं। इनमें हलाल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जमीयत उलमा-ए-हिंद हलाल ट्रस्ट, जमीयत उलेमा ए महाराष्ट्र और भारतीय गुणवत्ता परिषद (QCI) शामिल है।

दुबई में सबसे अमीर भारतीय बने एमए यूसुफ अली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई और पूरे यूएई में सैकड़ों भारतीय बिजनेसमैन बसे हैं जिन्होंने अपनी मेहनत से यहां नाम और दौलत दोनों कमाई है। इनमें रिजवान साजन, बीआर शेट्टी, एमए यूसुफ अली, पीएनसी मेनन और आजाद मूपेन जैसे बड़े नाम शामिल हैं। मगर इन सबमें एक भारतीय हैं जो यूएई में सबसे अमीर हैं। यूएई में रहने वाले सबसे अमीर भारतीय हैं एमए यूसुफ अली हैं, जो दुनिया के 663वें सबसे अमीर व्यक्ति भी हैं। फोर्ब्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ करीब ₹50,855 करोड़ है। वे मिडिल ईस्ट के "रिटेल किंग" कहलाते हैं।

लुलु ग्रुप इंटरनेशनल के हेड

एम.ए. यूसुफ अली LuLu Group International के चेयरमैन हैं। यह ग्रुप 7.3 अरब डॉलर (करीब ₹64,007 करोड़) के रेवेन्यू वाला रिटेल साम्राज्य है। 240 से अधिक हाइपरमार्केट और मॉल गल्फ देशों समेत 25 देशों में चलाए जा रहे हैं।

भारत से अबू धाबी तक की यात्रा

केरल के एक छोटे से गांव में जन्मे यूसुफ अली ने 1973 में अपने चाचा के छोटे डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस को संभालने के लिए अबू धाबी का रुख किया। वहीं से उन्होंने अपने रिटेल बिजनेस की शुरुआत की और धीरे-धीरे इसे वैश्विक स्तर पर विस्तार दिया।

अबू धाबी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग

साल 2024 में यूसुफ अली ने अपने रिटेल बिजनेस LuLu Group को अबू धाबी स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट किया। इस लिस्टिंग से उन्हें करीब $1.7 अरब (करीब ₹14,000 करोड़) की राशि मिली।

भारत और यूरोप में संपत्तियां

भारत में उनके कई LuLu मॉल हैं, खासकर दक्षिण भारत में। इसके अलावा यूरोप में उनके पास Waldorf Astoria Edinburgh और Great Scotland Yard Hotel (London) जैसी आलीशान संपत्तियां हैं। ग्रेट स्कॉटलैंड यार्ड होटल कभी यूके मेट्रोपॉलिटन पुलिस का मुख्यालय हुआ करता था।

सामाजिक योगदान और मानवता

एम.ए. यूसुफ अली अपने समाजसेवी कार्यों के लिए भी जाने जाते हैं। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान $6.8 मिलियन (करीब ₹50 करोड़) दान किए और केरल में 1,400 बेड वाला ट्रीटमेंट सेंटर बनाकर सरकार को सौंप दिया।

भारत के टॉप अमीरों में स्थान

भारत के अमीरों की सूची में यूसुफ अली का 49वां स्थान है। हालांकि 2024 में उनकी नेटवर्थ ₹66,638 करोड़ थी, जो अब घटकर ₹50,855 करोड़ हो गई है। फिर भी वे यूएई के सबसे अमीर भारतीय बने हुए हैं।

छत्तीसगढ़ में 21 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, अमित शाह ने की सराहना

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में रविवार को 21 माओवादियों ने अपने हथियारों के साथ आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में लौटने का फैसला किया। इनमें 4 डीवीसीएम (डिवीजन वाइस कमेटी मेंबर), 9 एसीएम (एरिया कमेटी मेंबर) और 8 पार्टी सदस्य शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों में 13 महिलाएं और 8 पुरुष हैं, जिनमें डिवीजन कमेटी सेक्रेटरी मुकेश का नाम प्रमुख है।

इन कैडरों से 18 हथियार बरामद किए गए हैं, जिनमें तीन एके-47, चार एसएलआर, दो इंसास, छह .303 रायफलें, दो सिंगल शॉट रायफलें और एक बीजीएल शामिल हैं। यह आत्मसमर्पण राज्य सरकार की "पूना मार्गम: पुनर्वास से पुनर्जीवन" पहल के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य भटके हुए युवाओं को समाज की मुख्यधारा में वापस लाना है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि मोदी सरकार के आह्वान पर हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटना सराहनीय है। उन्होंने बाकी नक्सलियों से भी जल्द आत्मसमर्पण करने की अपील की। शाह ने कहा, "हम 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का पूर्ण सफाया करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" पिछले दो हफ्तों में राज्य में 400 से अधिक माओवादी आत्मसमर्पण कर चुके हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या उस समय दर्ज हुई जब माओवादियों के गढ़ माने जाने वाले माड़ क्षेत्र के 208 नक्सलियों ने बस्तर जिले में आत्मसमर्पण किया। लगातार हो रहे आत्मसमर्पणों से यह संकेत मिलता है कि सरकार की पुनर्वास नीतियों और सुरक्षा अभियानों का असर ज़मीन पर साफ दिखाई देने लगा है।

मध्य प्रदेश के भिंड में दलितों का बहिष्कार

-इससे पहले इंदौर के कपड़ा बाजार से मुस्लिम मजदूरों का बहिष्कार किया गया था

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । मध्य प्रदेश के भिंड में उच्च जाति के तीन लोगों ने 20 अक्टूबर 2025 को दलित युवक ज्ञान सिंह के साथ मारपीट की और बोतल में भरकर मूत्र जबरदस्ती पिलाया, तबीयत खराब होने पर दलित युवक को भिंड जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया । पुलिस में शिकायत के बाद ब्राह्मण समाज के लोगों ने दलित समाज के लोगों का बहिष्कार कर दिया । भिंड पुलिस ने ज्ञान सिंह के साथ हुए उत्पीड़न के मामले में तीन लोगों सोनू बरुआ, आलोक शर्मा और छोटू पर एफआईआर दर्ज की है । कुछ दिन पहले इंदौर में भाजपा विधायक के कहने पर वहां कपड़ा बाजार के व्यापारियों ने मुस्लिम समाज के मजदूरों को हिंदुओं की दुकानों से निकाल दिया था । प्रदेश में भाजपा की सरकार है । मध्य प्रदेश में वैसे तो ओबीसी वर्ग का मुख्यमंत्री है । लेकिन दलितों के साथ अत्याचार की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं । वैसे जहां-जहां भाजपा की राज्य सरकारें हैं वहां दलित और मुस्लिम के साथ आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं ।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

प्रदेश में अपराधी बना रहे हैं भय का माहौल

राजस्थान में आए दिन चोरी, डकैती, मर्डर, एटीएम लूट, चैन तोड़ी, हत्या करने, बलात्कार, जमीनों पर अतिक्रमण, दलितों पर अत्याचार, महिलाओं के साथ छेड़खानी, ठगी, नशा तस्करी आदि की खबरें पढ़ने को मिल रही हैं । ऐसा लगने लगा है कि अपराधियों को सरकार और पुलिस का कोई भय नहीं है । प्रदेश में नशे की अवैध वस्तुओं की तस्करी के कारण निचले स्तर तक के लोगों को नशा आसान तरीके से मिल रहा है । नशा तस्करों का प्रदेश में जबरदस्त आतंक फैला हुआ है । नशे के अवैध कारोबार की शिकायत करने वाले लोगों को नशा तस्करों और नशा तस्करी में शामिल पुलिसकर्मियों द्वारा डराया धमकाया जाता है । यही कारण है कि नशे का अवैध कारोबार बड़ा होता जा रहा है । नशा युवाओं में फैशन बनता जा रहा है । यही युवा नशेड़ी बाद में अपराधी बन जाते हैं । पुलिस दिखावे के लिए नशेड़ियों और नशे की वस्तुएं तस्करी करने वाले आरोपियों पर कार्रवाई तो खूब करती है, फिर भी नशे की सप्लाई पर कोई रुकावट नहीं कर पाती है । इसी तरह प्रदेश में चोरी, डकैती और हत्याओं की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं । अपराधियों में पुलिस और कानून का भय नाममात्र का दिखाई दे रहा है । पुलिस का भय सिर्फ शरीफ लोगों और ईमानदार जनता में ही दिखाई दे रहा है। अपराधी प्रवृत्ति के लोग पुलिस और कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखा रहे हैं । राजनीतिज्ञ, विधायक, मंत्री भी अपराधियों के पक्ष में थानों और सरकारी दफ्तर में सिफारिश करते नजर आते हैं । यही कारण है कि जनता में भय का माहौल बन गया है । करौली जिले में एक महिला के पैरों में चांदी के कड़ों को डकैत पैर काट कर ले गए और महिला को मरने के लिए छोड़ दिया । प्रदेश में प्राइवेट सवारी बसें नियमों की धज्जियां उड़ा रही हैं । इन्हीं बसों के जरिए नशे की वस्तुएं सोने चांदी की अवैध ढुलाई एवं चोरी के सामान की आपूर्ति की जा रही है । अवैध विस्फोटक होने के कारण सवारी एसी बस में 25 लोग जलकर मर गए । ग्रामीण क्षेत्रों में कई दबंगों ने वाहनों से दलित और गरीब लोगों को कुचल कर मारने की कोशिश की। लेकिन सरकार और पुलिस की ओर से कोई इस तरह की कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है, जिससे अपराधी अपराध करने के बाद सोचे कि वह अपराध कभी नहीं करेगा और दूसरे भी अपराध करने से पहले सोचें कि अपराध करना आसान नहीं है। अफगानिस्तान, सऊदी अरब, ईरान आदि देशों में चोरी, बलात्कार और अन्य प्रकार के अपराध काफी कम सामने आते हैं, क्योंकि वहां अपराधियों में कानून और सुरक्षा बलों का भय स्पष्ट दिखाई देता है अपराध करने से पहले अपराधी सौ बार सोचता है। लेकिन यहां अपराधी सोचते हैं कि पकड़े जाने पर भी वह कुछ दिनों बाद आसानी से छूट जाएंगे । यही कारण है कि देश में विभिन्न तरह के अपराधों की संख्या बढ़ती जा रही है । वैसे राजस्थान सरकार ने अपराध रोकने के लिए कई बार बयानबाजी की है, लेकिन उसका अपराधियों पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ा। सरकार ने पुलिस महकमें के पुलिस अधिकारियों के बड़ी संख्या में तबादले भी किए हैं । अब देखना है कि प्रदेश में अपराधों पर नियंत्रण किया जा सकेगा या फिर पहले जैसे ही अपराधों की खबरें पढ़ने को मिलती रहेंगी।

भारत के पहले संचार मंत्री थे रफी अहमद किदवई

24 अक्टूबर पुण्यतिथि पर विशेष.....

रफी अहमद किदवई एक महान राजनेता, भारतीय स्वतंत्रता कार्यकर्ता और एक समाजवादी थे, जिन्हें इस्लामी समाजवादी के रूप में भी जाना जाता है। इनका जन्म 18 फरवरी 1894 में उत्तरप्रदेश के बाराबंकी जिले के मसेली गांव में हुआ था। इनके पिता इम्तियाज अली एक समृद्ध जागीरदार थे, जिन्होंने सरकारी सेवा में प्रवेश करके समाज का नाम रोशन किया था। रफी अहमद किदवई ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा अपने चाचा विलामत अली से ली थी जो कि पेशे से एक शिक्षक और राजनीतिक रूप से सक्रिय वकील थे। 12वीं तक वह बाराबंकी जिले में ही पढ़े और फिर इसके बाद मोहम्मद एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज अलीगढ़ चले गए। जहां पर उन्होंने सन 1918 में बीए के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने एलएलबी की डिग्री की दिशा में काम करना शुरू किया, लेकिन सन 1920-21 में महात्मा गांधी के अखिल भारतीय आंदोलनों में भागीदारी के लिए जेल भेज दिए गए और वह एलएलबी कभी पूरी नहीं कर पाए सन। 1919 में रफी की शादी मजीद-अन-निशा से हुई थी। रफी अहमद किदवई राजनीति में भी काफी सक्रिय रहे। अलीगढ़ में मोहम्मद एंग्लो ओरिएंटल कॉलेज में भाग लेने के बाद किदवई ने खिलाफत आंदोलन के माध्यम से राजनीति में प्रवेश किया। सन 1926 के चुनाव में केंद्रीय विधानसभा के लिए औध से स्वराज पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुने गए थे वह विधानसभा में स्वराज पार्टी के चीफ व्हीप बन गए। किदवई के राजनीतिक कौशल ने पार्टी में विवादित मुद्दों पर एकता बनाए रखने में मदद की। सन 1929 में किदवई विधानसभा में स्वराज पार्टी के सचिव चुने गए।मोतीलाल नेहरू के प्रति उनकी निष्ठा थी। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 19 दिसंबर 1919 को पूर्ण स्वराज की मांग की और महात्मा गांधी ने जनवरी 1930 में नागरिक अवज्ञा आंदोलन शुरू किया। कांग्रेस कार्यकारिणी समिति द्वारा पूर्ण स्वराज संकल्प के जवाब में किदवई ने केंद्रीय विधानसभा से इस्तीफा दे दिया और नागरिक अवज्ञा आंदोलन में कूद पड़े। भारत सरकार अधिनियम 1935 के पारित होने के बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लिए एक पद संभाला। 1937 में प्रांतीय स्वायत्तता योजना के तहत आगरा और औध यूपी के संयुक्त प्रांतों में गोविंद बल्लभ पंत कैबिनेट में किदवई राजस्व और जेलों के मंत्री बने। अप्रैल 1946 में वह यूपी के गृह मंत्री भी बने। सन 1947 में भारत को ब्रिटिश राज से आजादी मिलने के बाद किदवई भारत के पहले संचार मंत्री बने। किदवई का निधन 24 अक्टूबर 1954 को 60 वर्ष की उम्र में हुआ।

भाजपा सरकारों को मुसलमानों से इतनी नफरत क्यों है ?

हैरानी की बात है कि तालिबान को आतंकवादी कहने वाले भाजपाई उनके सम्मान में तो पलक पावड़े बिछाते हैं और अपने ही देश के मुसलमानों से नफरत करते हैं

हैरानी की बात है तालिबान को आतंकवादी कहने वाले भाजपाई उनके सम्मान में तो पलक पावड़े बिछाते हैं और अपने ही देश के मुसलमानों से नफरत करते हैं । भाजपा की जितनी भी राज्य सरकारें हैं उनका रवैया हमेशा नफरत भरा होता है । भाजपा का कोई भी नेता जब भी मुंह खोलता है तो उसके मुंह से हमेशा मुसलमानों के लिए नफरत ही निकलती है । जबकि जिस अफगानिस्तान के तालिबान को ये आतंकवादी कहते नहीं थकते थे, जब वहां के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी भारत आए तो उनके सम्मान में पलक पावड़े बिछा डाले। यही है विदेश नीति में विदेश का हित सबसे ऊपर होता है और उसके लिए यदि तालिबान का सम्मान करना जरूरी है तो ठीक है । लेकिन आखिर देश के मुसलमानों से इतनी नफरत क्यों है ? जबकि वे भी देश के नागरिक हैं और उनके भी इतने ही बराबर के नागरिक अधिकार हैं जितने कि प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के हैं। फिर उनके संवैधानिक अधिकारों पर भाजपा की सरकारें हमला क्यों करती हैं । भाजपा सरकारों के कुछ रवैयों का विश्लेषण करेंगे तो स्पष्ट हो जाएगा कि इनको मुसलमानों से कितनी नफरत है। शुरुआत यूपी से करते हैं यूपी के मुख्यमंत्री जो खुद को संत मानते हैं और सनातन संस्कृति में भी माना जाता है कि जो सन्यास ग्रहण कर लेता है वह राज, द्वेष, नफरत, भेदभाव इन सबसे ऊपर उठ जाता है । लेकिन यूपी के मुख्यमंत्री जो खुद योगी कहलवाना पसंद करते हैं, लेकिन मामला जब मुसलमानों का होता है तो उनकी भाषा से उनकी नफरत साफ नजर आती है और अगर कहीं चुनाव हो रहे होते हैं तो प्रधानमंत्री से लेकर हर भाजपा का नेता सिर्फ मुसलमानों के खिलाफ जहर उगलने का ही काम करते हैं। अभी पिछले दिनों बरेली और कुछ शहरों में मुस्लिम युवाओं ने "आई लव मोहम्मद" के पोस्टर चिपका दिए तो उनके खिलाफ केस दर्ज हुए । उनकी गिरफ्तारियां हुई और बरेली में तो हद कर दी सैंकड़ों मुसलमानों को गिरफ्तार किया गया । इतना ही नहीं सार्वजनिक रूप से उनको अपमानित करते हुए उनकी परेड निकाली गई। सुप्रीम कोर्ट के सारे कानूनों का मजाक उड़ाते हुए सैंकड़ों घरों पर बुलडोजर चलाए गए। जबकि सुप्रीम कोर्ट घरों पर बुलडोजर चलाने के खिलाफ रोक लगा लगा चुका था। लेकिन योगी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का कोई सम्मान नहीं किया और हैरानी की बात यह है कि इस जुल्म के सारे वीडियो सोशल मीडिया में चलते रहे और देश का सुप्रीम कोर्ट खामोश रहा और अब भी खामोश है । उसमें अपने ही निर्णयों के खिलाफ कोई स्वत: संज्ञान नहीं लिया। इतना ही नहीं बरेली कांड के बाद यूपी के मुख्यमंत्री ने जिस भाषा का प्रयोग किया था वह एक संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति की भाषा नहीं थी । कोई भी व्यक्ति जब मुख्यमंत्री के पद की शपथ

लेता है तो स्पष्ट शपथ लेता है कि वह राज्य के प्रत्येक नागरिक के साथ समानता का व्यवहार करेगा । किसी के साथ भी धर्म, जाति, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं करेगा। लेकिन यूपी के मुख्यमंत्री सार्वजनिक मंचों से भाषण देते रहे कि उन्होंने मुसलमानों की गर्मी निकाल दी है, उनकी डेंटिंग पेंटिंग कर दी है। उनको ऐसे जगह भेज देंगे कि उनकी सात पीढ़ियां भी अपने-अपने अधिकारों और जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं करेंगे। हैरानी इस बात की है कि ऐसी गैर-संवैधानिक भाषा बोलने के बाद भी राज्यपाल ने कोई कार्रवाई नहीं की, देश के प्रधानमंत्री ने कोई कार्रवाई नहीं की। देश के सुप्रीम कोर्ट ने कोई कार्रवाई नहीं की। अभी बिहार में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे भाजपा के नेताओं के भाषणों में मुसलमानों से नफरत के बहुत उदाहरण देखने को मिलेंगे । योगी जी ने शुरू भी कर दिया है । उन्होंने हाल ही में सार्वजनिक रूप से बयान दिया है कि इंडिया गठबंधन के लोगों को बिहार विकास नहीं चाहिए । उनको तो बुर्का चाहिए। इस बयान के पीछे नफरत को आसानी से समझा जा सकता है । लेकिन शायद वे भूल गए कि मुस्लिम महिलाओं को बुर्का पहनने का अधिकार भी देश का संविधान ही देता है । योगी जी को ऐसा बयान देने से पहले देश के संविधान को पढ़ लेना चाहिए था। देश का संविधान देश के अल्पसंख्यक समुदाय को अधिकार देता है कि वे अपने धर्म की पालना कर सकते हैं, उसका प्रचार-प्रचार कर सकते हैं और बुर्का भी उसी अधिकार का हिस्सा है । हैरानी की बात है कि खुद योगी राजपूत समुदाय से आते हैं और उसे समुदाय में भी पर्दा-प्रथा थी और है। यूपी में तो हर भाजपा का नेता ऐसी ही भाषा बोल रहा है । अभी हाल की कैराना की सांसद चौधरी इकरा हसन जो निहायत सज्जन और पढ़ी-लिखी महिला हैं, उनके लिए कैराना के ही पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी के समर्थकों ने उन्हें मुल्ली, पाकिस्तानी और आतंकवादी और अभद्र गालियां दी । जब इकरा हसन ने उनके खिलाफ कार्यवाही की मांग की और यह सवाल खड़ा किया कि क्या यही बीजेपी का "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" अभियान है । क्या सनातन में ऐसे ही बेटियों का सम्मान होता है तो पूर्व सांसद प्रदीप चौधरी ने सार्वजनिक रूप से चौधरी इकरा हसन के लिए कहा कि जिन्होंने तलवार के डर से सलवार पहनी हो उसको सनातन से सवाल करने का अधिकार नहीं है । हैरानी इसलिए है कि उस प्रदीप चौधरी पर कोई कार्यवाही होगी या नहीं, क्योंकि यह उस मनुवादी मानसिकता के लोग हैं जिन्होंने कभी भी महिलाओं का सम्मान नहीं किया । अगर बात असम के मुख्यमंत्री की करें तो उसे मुसलमानों से इतनी नफरत है कि उसका अगर बस चले तो वह असम के मुसलमानों को या तो जबरन बांग्लादेश में धकेल दे या फिर हिंद महासागर में डूबा दे । ऐसे ही उत्तराखंड का मुख्यमंत्री कह रहा है । पहले दरगाहों पर यह कहकर बुलडोजर चलवाए हैं कि वे वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा करके बसाई गई हैं, फिर मदरसा बोर्ड को भंग किया गया । ऐसी ही मुसलमानों को झूठे मुकदमों में फसाने के लिए हर भाजपा सरकार अपने-अपने राज्य में धर्मांतरण निरोधक कानून बना रही है । ताकि इसकी आड़ में मुसलमानों को झूठे मुकदमों में फंसा कर जेलों में डाला जाए।

भाजपा सरकारों को समझना चाहिए कि लोकतंत्र में कोई भी पार्टी आजीवन सत्ता में नहीं रहती है । जनता उनको विकास करने के लिए वोट देती है और भाजपा को समझना चाहिए कि क्या देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को इस तरह से हास्य पर धकेल कर देश का विकास किया जा सकता है ? क्या वह नफरत के जरिए देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी को खत्म कर सकते हैं ?

-डॉ. शहाबुद्दीन खान

जानिए कौन थे गणितज्ञ और खगोल शास्त्री हसन इब्न अल-हयथम

अबू अली अल-हसन इब्न अल-हसन इब्न अल-हयथम वर्तमान इराक के एक मध्ययुगीन गणितज्ञ, खगोलशास्त्री और भौतिक विज्ञानी थे। उन्हें "आधुनिक प्रकाशिकी का जनक" (प्रकाश विज्ञान के जनक) कहा जाता है और "पहले सच्चे वैज्ञानिक" भी कहा जाता है। पश्चिमी दुनिया में अल हयतम को अल हेज़न (Alhazen) के नाम से भी जाना जाता है — इस्लामी स्वर्ण युग के सबसे महान वैज्ञानिकों, दार्शनिकों और गणितज्ञों में से एक थे। उन्होंने विशेष रूप से प्रकाशिकी और दृश्य धारणा के सिद्धांतों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका सबसे प्रभावशाली काम किताब अल-मनाज़िर है, जो सात खण्डों में सन् 1011-1021 के दौरान लिखी गयी थी। इनकी किताब प्रकाशिकी का अनुवाद 12वीं शताब्दी के अंत में या 13वीं शताब्दी की शुरुआत में एक अज्ञात विद्वान द्वारा लैटिन भाषा में अनुवाद भी किया गया था, लैटिन अनुवादों के ज़रिए उनका ज्ञान गैलीलियो, केप्लर, और डेसकार्टेस तक पहुंचा । इनके कार्यों को वैज्ञानिक क्रांति के दौरान आइजेक न्यूटन, जोहान्स केपलर, क्रिस्टियान ह्यूजेंस और गैलीलियो गैलीली द्वारा अक्सर उद्धृत किया गया था। इयान पी. हॉवर्ड ने 1996 के परसेप्शन लेख में तर्क दिया कि अल्हाज़ेन (इब्ने अल हयथम) को कई खोजों और सिद्धांतों का श्रेय दिया जाना चाहिए, जिन्हें पहले पश्चिमी यूरोपीय लोगों द्वारा सदियों बाद लिखने के लिए जिम्मेदार ठहराया था।

इनका जन्म सन्. 965 ई. (सी. 354 एएच) में बसरा, बुयिद अमीरात (अब इराक) में हुआ था और इनकी मृत्यु लगभग 1040 (लगभग 430 एएच) में 75 वर्ष की आयु में काहिरा (मिस्र) में हुई थी। उन्होंने अपना अधिकांश समय फ़ातिमी राजधानी काहिरा में बिताया और कई किताबों की रचना करके और कुलीन वर्ग के लोगों को शिक्षा देकर अपनी जीविका अर्जित करते थे।

शुरुआती दौर में इस्लाम धर्म का अध्ययन और समाज सेवा करते थे। लेकिन उस समय समाज में धर्म के बारे में कई परस्पर विरोधी विचार थे, जिससे अंततः उन्होंने धर्म से अलग हटने की कोशिश की और उन्हें गणित और विज्ञान के अध्ययन में रुचि पैदा हुई। उन्होंने अपने मूल स्थान बसरा में वज़ीर की उपाधि के साथ एक पद संभाला और गणित के अपने ज्ञान के लिए प्रसिद्ध हुए। बाद में काहिरा लौटने पर उन्हें एक प्रशासनिक पद दिया गया :- फ़ातिमी खलीफ़ा, अल-हकीम बि-अम्र अल्लाह द्वारा नील नदी की बाढ़ को नियंत्रित करने के लिए मिस्र बुलाया गया था। उन्होंने नील नदी की वार्षिक बाढ़ का विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन किया और आधुनिक असवान बाँध के स्थान पर एक बाँध बनाने की योजनाएँ तैयार की । हालाँकि बाद में उनके क्षेत्रीय कार्य ने उन्हें इस योजना की अव्यवहारिकता का एहसास कराया और उन्होंने खलीफ़ा की सज़ा से बचने के लिए जल्द ही पागलपन का नाटक किया । जब वह इस कार्य को भी पूरा करने में असमर्थ साबित हुए तो उन्होंने खलीफा अल-हकीम का गुस्सा मोल ले लिया था। कहा जाता है कि 1021 में खलीफा की मृत्यु तक उन्हें छिपने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद उनकी जब्त की गई संपत्ति उन्हें वापस कर दी गई। यह भी किंवदंती है कि उन्होंने पागलपन का नाटक किया और इस दौरान उन्हें नजरबंद रखा गया था। इसी दौरान उन्होंने अपनी प्रभावशाली पुस्तक लिखी। कहा जाता है कि उनके छात्रों में सेमनान के एक फ़ारसी सोरखब (सोहराब) और मिस्र के राजकुमार अबू अल-वफ़ा मुबाशिर इब्न फतेक शामिल थे।

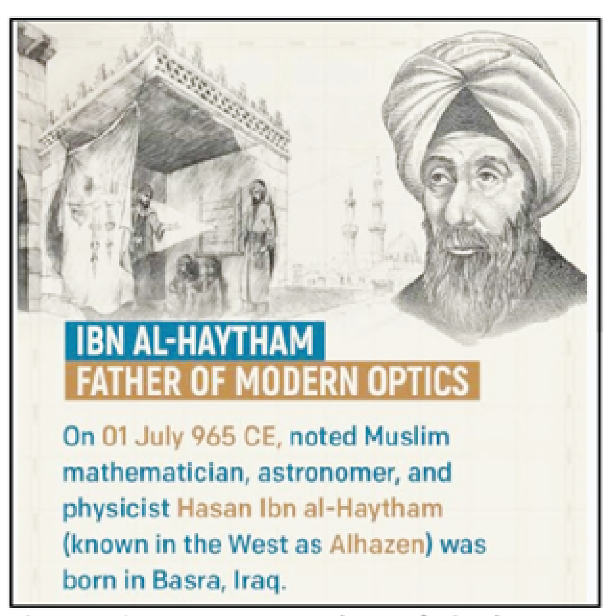

इब्न अल-हयथम यह समझाने वाले पहले व्यक्ति थे कि दृष्टि तब होती है जब प्रकाश किसी वस्तु से परावर्तित होता है और फिर किसी की आँखों में जाता है और यह तर्क देने के लिए कि दृष्टि मस्तिष्क में होती है, यह अवलोकन की ओर इशारा करते हुए कि यह व्यक्तिपरक है और व्यक्तिगत अनुभव से प्रभावित है।

अल हयतम ने बहुत सी किताबें लिखी हैं, उनमें से कुछ प्रमुख किताबें और योगदान यह हैं:-

1. किताब अल-मनाज़िर
2. तहरीर अल-उक़्नीद
3. मक़ाला फी ज़ुहूर अल-कमर
4. अल-शुकूक 'अला
5. इब्ने अल हयथम ने कई अन्य ग्रंथ भी लिखे हैं, जिनमें उनका रिसाला फ़ि-दाव (प्रकाश पर ग्रंथ) भी शामिल है। उन्होंने प्रकाश, इंद्रधनुष, ग्रहण, गोधूलि और चांदनी के गुणों का अध्ययन किया। दर्पणों और हवा, पानी, काँच के घनों, गोलार्धों और चतुर्थांश-गोलों के बीच अपवर्तक अंतरापृष्ठों के साथ प्रयोगों ने उनके प्रकाशिकी सिद्धांतों की नींव रखी ।
6. सात ग्रहों में से प्रत्येक की गति का मॉडल

अल्हाज़ेन की पुस्तक द मॉडल ऑफ़ द मोशन्स ऑफ़ ईच ऑफ़ द सेवन प्लैनेट्स लगभग 1038 में लिखी गई थी । केवल एक क्षतिग्रस्त पांडुलिपि ही मिली है, जिसमें केवल परिचय और ग्रहों की गति के सिद्धांत पर पहला खंड ही बचा है , इन्होंने ने कुल पच्चीस खगोलीय कार्य लिखे हैं।जिनका बहुत महत्व है।

7. ज्यामिति:- प्रारंभिक ज्यामिति में, अल्हाज़ेन ने लून्स (अर्धचंद्राकार आकार) के क्षेत्र का उपयोग करके वृत्त का वर्ग करने की समस्या को हल करने का प्रयास किया।
8. वैज्ञानिक विधि:- "प्रयोगात्मक स्थितियों को निरंतर और एक समान तरीके से अलग-अलग करने की विधि का व्यवस्थित उपयोग करने वाले पहले व्यक्ति थे ।
9. संख्या सिद्धांत:- संख्या सिद्धांत में अलहाज़ेन के योगदानों में पूर्ण संख्याओं पर उनका कार्य शामिल है । अपने विश्लेषण और संश्लेषण में, वह संभवतः यह बताने वाले पहले व्यक्ति थे कि प्रत्येक सम्पूर्ण संख्या के रूप की होती है ।
10. गणना:- चतुर्थ घात के योग सूत्र की खोज की।
11. धर्म-शास्त्र:- इस्लामी धर्म-शास्त्र पर एक काम लिखा, जिसमें उन्होंने पैगंबरी पर चर्चा की और अपने समय में इसके झूठे दावेदारों को पहचानने के लिए दार्शनिक मानदंडों की एक प्रणाली विकसित की। उन्होंने गणना द्वारा क़िबला की दिशा खोजने नामक एक ग्रंथ भी लिखा, जिसमें उन्होंने गणितीय रूप से क़िबला खोजने पर चर्चा की।
12. रंग स्थिरता:- उन्होंने बताया कि प्रकाश की गुणवत्ता और वस्तु का रंग मिश्रित होते हैं और दृश्य तंत्र प्रकाश और रंग को अलग करता है।

इब्ने अल हयथम ने अल्लाह के बारे में कहा है कि:-

"मैं निरंतर ज्ञान और सत्य की खोज में लगा रहा और यह मेरा विश्वास बन गया कि ईश्वर के तेज और निकटता तक पहुँचने के लिए सत्य और ज्ञान की खोज से बेहतर कोई रास्ता नहीं है"।

मौजूदा दौर में कहा जाता है कि मुसलमानों का क्या योगदान है ? दरअसल हम हमारे गौरवशाली इतिहास को भुला बैठे हैं। मुसलमानों ने भी दुनिया के विकास में योगदान दिया है।

-फ़ज़लुर्रहमान

भारत के बहुलवादी समाज और साझी विरासत का उत्सव

भारत दुनिया में बहुलवादी समाज के सबसे ज्वलंत उदाहरणों में से एक है, एक ऐसा देश जहाँ एकता विविधता को मिटा नहीं पाती और विविधता एकता को विभाजित नहीं करती। बर्फ से ढके हिमालय से लेकर तमिलनाडु के तटीय मंदिरों तक, दिल्ली के सूफी दरगाहों से लेकर लद्दाख के मठों तक, भारतीय परिदृश्य सह-अस्तित्व की एक कालातीत कहानी कहता है। भारत की संस्कृति और इतिहास में गहराई से निहित बहुलवाद की यह भावना इसकी राष्ट्रीय पहचान और नैतिक शक्ति को परिभाषित करती रही है। भारत में बहुलवाद कोई नया राजनीतिक विचार नहीं है; यह हज़ारों वर्षों से पोषित एक सभ्यतागत लोकाचार है। प्राचीन भारतीय कहावत, "एकम् सत् विप्रा बहुधा वदन्ति", सत्य एक है, लेकिन बुद्धिमान लोग इसे कई तरीकों से वर्णित करते हैं, इस दृष्टिकोण का सार प्रस्तुत करती है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन, और अन्य धर्म सह-अस्तित्व में रहे हैं और अक्सर एक-दूसरे की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं में योगदान करते रहे हैं। भारत की समन्वित भाषाएँ, त्योहार, संगीत और व्यंजन इस साझा विरासत को दर्शाते हैं। किसी भी भारतीय शहर से गुज़रें, और इस साझा विरासत के संकेत हर जगह दिखाई देंगे। दिल्ली में हज़रत निज़ामुद्दीन औलिया की दरगाह पर कव्वालियाँ सभी धर्मों के लोगों को आकर्षित करती हैं; हिंदू और मुस्लिम कारीगरों ने मिलकर ताजमहल का निर्माण किया, जो पहचान से परे एक उत्कृष्ट कृति है; और केरल में, हिंदुओं, मुसलमानों और ईसाइयों का सदियों पुराना सह-अस्तित्व अद्वितीय कला रूपों और साझा रीति-रिवाजों को जन्म देता है। दुनिया के सबसे पुराने जीवित शहर वाराणसी में, मंदिर की घंटियाँ मुअज़्ज़िन की पुकार के साथ सहज रूप से घुल-मिल जाती हैं ये उदाहरण दर्शाते हैं कि भारत की विविधता एक बोझ नहीं, बल्कि परस्पर निर्भरता और सम्मान का जीवंत संगम है।

भारत का इतिहास परस्पर संवाद और पारस्परिक समृद्धि की कहानियों से भरा पड़ा है। भारतीय स्थापत्य कला पर फ़ारसी प्रभाव, संस्कृत और फ़ारसी का सम्मिश्रण जिसने उर्दू को जन्म दिया, और मुस्लिम उस्तादों और हिंदू संगीतकारों के योगदान से शास्त्रीय संगीत का विकास, ये सभी दर्शाते हैं कि भारत में संस्कृतियाँ कभी आपस में टकराईं नहीं, बल्कि आपस में संवाद करती रहीं। भक्ति और सूफी आंदोलनों ने इस सद्भाव को और गहरा किया। कबीर, गुरु नानक और ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती जैसे संतों ने प्रेम की ऐसी भाषा बोली जो धार्मिक और सामाजिक भेदभाव से परे थी। उन्होंने लोगों को याद दिलाया कि भक्ति और मानवता, कर्मकांड या पहचान से कहीं बढ़कर हैं। यह साझा आध्यात्मिक विरासत भारत की सबसे शक्तिशाली सांस्कृतिक धरोहरों में से एक है।भारत का कैलेंडर वर्ष भर विविधता का उत्सव है। दिवाली, ईद, क्रिसमस, बैसाखी, ओणम, होली और पोंगल, धर्म की परवाह किए बिना, आपसी भागीदारी के साथ मनाए जाते हैं। कई गाँवों में, हिंदू परिवार ईद पर सेवइयाँ बनाते हैं, जबकि मुस्लिम पड़ोसी दिवाली के दौरान दीये जलाते हैं। ये छोटे लेकिन गहरे भाव, उस विश्वास और स्नेह का प्रतीक हैं जो भारतीय समाज की रीढ़ हैं। भारत का बहुलवाद अपनी रचनात्मक अभिव्यक्तियों में फलता-फूलता है। इसका संगीत, साहित्य और व्यंजन सदियों के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को दर्शाते हैं। सितार, तबला और ग़ज़ल में विभिन्न परंपराओं के सुर एक राग में समाहित हैं। साहित्य में, मीर और ग़ालिब जैसे उर्दू कवि, कालिदास जैसे संस्कृत विद्वान, और तमिल, बंगाली या मलयालम के आधुनिक लेखकों ने भारत की सामूहिक पहचान में अनूठी आवाज़ें जोड़ी हैं। 1950 में अपनाए गए भारत के संविधान ने उस बहुलवादी भावना को औपचारिक अभिव्यक्ति दी जिसने लंबे समय से इस उपमहाद्वीप को परिभाषित किया था। यह धर्म, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, ऐसे मूल्य जो यह सुनिश्चित करते हैं कि एक लोकतांत्रिक ढांचे के तहत विविधता फलती-फूलती रहे। डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में संविधान निर्माताओं ने यह समझा कि भारत की ताकत समावेशिता में है, न कि एकरूपता में। इसलिए, बहुलवाद केवल एक सांस्कृतिक घटना ही नहीं, बल्कि एक नैतिक और कानूनी प्रतिबद्धता भी है। यह यह सुनिश्चित करके भारत के लोकतंत्र को बनाए रखता है कि प्रत्येक नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म या पृष्ठभूमि का हो, समान अधिकार और सम्मान प्राप्त करे। हाल के दिनों में, सामाजिक ध्रुवीकरण और गलत सूचनाओं ने कभी-कभी इस सद्भाव की परीक्षा ली है। हालाँकि, अधिकांश भारतीय सह-अस्तित्व के सिद्धांतों को कायम रखते हैं। अब यह ज़िम्मेदारी प्रत्येक नागरिक की है कि वह विभाजनकारी आख्यानों को अस्वीकार करे, संवाद के सांस्कृतिक स्थलों की रक्षा करे और युवा पीढ़ी को सहिष्णुता और सहानुभूति के मूल्यों से परिचित कराए। बहुलवाद को केवल कानूनों से संरक्षित नहीं किया जा सकता; यह लोगों के दैनिक कार्यों से पनपता है, पड़ोसियों के प्रति दया, विभिन्न मान्यताओं के प्रति सम्मान और आलोचना करने के बजाय सुनने की इच्छा। भारत का बहुलवाद केवल साथ-साथ रहने के बारे में नहीं है; यह परस्पर सम्मान और साझा उद्देश्य के साथ साथ रहने के बारे में है। यह जीवन जीने का एक तरीका है जहाँ मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे विरोध में नहीं बल्कि सद्भाव में खड़े हैं। भारतीय भावना सिखाती है कि एकता एकरूपता नहीं बल्कि स्वीकृति है, कि आस्थाएँ अलग हो सकती हैं लेकिन दिल एकजुट हो सकते हैं। पहचान से तेजी से विभाजित होती दुनिया में, भारत एक प्राचीन लेकिन कालातीत सबक देता है।

अलीमुद्दीन कुरैशी की अगुवाई में कुरैश कॉन्फ्रेंस ने उठाई आवाज

-ओबीसी सूची में 'कुरैशी' शब्द जोड़ने की मांग पर आयोग अध्यक्ष गंभीर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में कुरैश बिरादरी को ओबीसी सूची में शामिल करने की पुरानी मांग को लेकर कुरैश कॉन्फ्रेंस (रजि०) का प्रतिनिधि मंडल राजस्थान राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरपर्सन मदन लाल भाटी से मिला। इस प्रतिनिधि मंडल की अगुवाई अलीमुद्दीन कुरैशी, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, कुरैश कॉन्फ्रेंस (रजि०), राजस्थान ने की। उनके साथ मोहम्मद इरफान कुरैशी (उपाध्यक्ष), साजिद कुरैशी और इस्माइल कुरैशी मौजूद रहे। यह पूरी पहल राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोवर एडवोकेट के मार्ग-दर्शन और नेतृत्व में की गई, जिनके निर्देशन में संगठन लगातार समाज के अधिकारों के लिए आवाज उठा रहा है। प्रतिनिधि मंडल ने 'कुरैशी' शब्द को राज्य की अधिकृत सूची में जोड़ने की मांग को लेकर एक लिखित ज्ञापन सौंपा और आग्रह किया कि 'कुरैशी' बिरादरी को समान अवसर व सामाजिक न्याय मिले, इसके लिए सरकार शीघ्र निर्णय ले। चेयरपर्सन मदन लाल भाटी ने प्रतिनिधि मंडल की बात को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना और आश्वासन दिया कि आयोग इस विषय पर विधिक व सामाजिक पहलुओं पर अध्ययन कर उचित कार्यवाही करेगा। अलीमुद्दीन कुरैशी ने कहा कि कुरैश बिरादरी लंबे समय से समान अधिकारों और न्याय की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने चेयरपर्सन भाटी का आभार जताते हुए कहा कि आयोग की यह सकारात्मक प्रतिक्रिया समाज के विश्वास को और मजबूत करेगी । अलीमुद्दीन कुरैशी ने बताया कि कुरैशी समाज के लोगों को ओबीसी सर्टिफिकेट बनाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यदि राज्य की ओबीसी सूची में कुरैश शब्द जुड़ जाए तो समाज के लोगों को काफी आसानी हो जाएगी।

सुन्नी दावते इस्लामी का एक दिवसीय इज्तेमा आयोजित

-पैग़म्बर मोहम्मद स. अ. की सीरत से मिली रहनुमाई — नशा छोड़ो, इल्म अपनाओ का संदेश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के रामगढ़ मोड़ स्थित करबला मैदान में सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से एक दिवसीय भव्य इज्तेमा का आयोजन किया गया, जहां हजारों की तादाद में अकीदतमंदों की मौजूदगी ने मैदान को रोशन कर दिया। कार्यक्रम में इस्लामी विद्वानों ने पैगम्बर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सीरत-ए-तय्यबा पर रोशनी डाली — बताया कि इस्लाम ने 1400 साल पहले ही 'बालिकाओं की शिक्षा' को जरूरी करार दिया था। उलेमाओं ने कहा — "औरत का इल्म नस्लों को रोशन करता है, इसलिए हर बेटी को पढ़ाओ, हर बहन को सिखाओ।" साथ ही नशे के खिलाफ भी बुलंद आवाज़ उठाई गई। मंच से साफ संदेश दिया गया — "नशा हराम है, नशा तबाही है — इसे छोड़ो, और समाज को बचाओ।" कार्यक्रम में वक्ताओं ने युवाओं को जागरूक करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर इल्म और अमन का रास्ता अपनाना ही असली इस्लामी तालीम है। जहां सुन्नी दावते इस्लामी ने समाज को एक बार फिर नसीहत दी — 'पढ़ो, समझो और नशे से रहो दूर।'"

गोविन्द गुप्ता बने राजस्थान ACB के नए महानिदेशक

-पदभार संभालते ही कहा- 'भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस, निर्दोष पर आंच नहीं, दोषी बख्शा नहीं जाएगा'

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गोविन्द गुप्ता ने सोमवार 27 अक्टूबर को झालाना डूंगरी स्थित भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय में महानिदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। मुख्यालय पहुँचने पर अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। पदभार संभालने के बाद गुप्ता ने ब्यूरो की टीम को संबोधित करते हुए राज्य सरकार की मंशा स्पष्ट कर दी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम किया जाएगा और आमजन के विश्वास को मज़बूत करना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने "पारदर्शिता, त्वरित कार्रवाई और टीम भावना" को ब्यूरो की सबसे बड़ी शक्ति बताया। महानिदेशक ने सूचना तंत्र को प्रभावी बनाने और जन-जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि ब्यूरो की टोल-फ्री हेल्पलाइन 1064 और व्हाट्सएप नंबर 94135-02834 का व्यापक प्रचार किया जाएगा, ताकि लोग आसानी से शिकायतें दर्ज करा सकें। गुप्ता ने स्पष्ट किया, "हम सुनिश्चित करेंगे कि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय न हो, साथ ही भ्रष्टाचार में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एवं त्वरित कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने प्रदेशवासियों से भ्रष्टाचार के खिलाफ इस जनआंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

एटीएम मशीन में छेड़छाड़ कर फर्जी तरीके से रूपये निकालने वाली गैंग का मास्टर माईण्ड अक्षय मीणा उर्फ गुड्डु गिरफ्तार

-वारदात में प्रयुक्त एक थार कार व प्रयुक्त औजार जप्त, सोशल मीडिया व युटयूब आदि पर एटीएम मशीन से सम्बन्धित विडियो देखकर वारदातों को दिया अंजाम

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस ने बताया कि 17 अक्टूबर 2025 को परिवादी अभिषेक गुप्ता शाखा प्रबन्धक एसबीआई बैंक आमेर रोड जयपुर द्वारा पुलिस थाना ब्रह्मपुरी पर रिपोर्ट पेश की कि आज दिनांक 17 अक्टूबर 2025 को हमारे बैंक में ग्राहको के द्वारा message आये व शिकायत प्राप्त हुई कि जलमहल पर लगा ATM जिसको हैंग कर व छेडखानी कर टैप चिपका कर MASTER चाबी से छेडछाड कर पैसे निकाल रहे है।

गठन पुलिस टीम का विवरण-
जयपुर शहर में एटीएम से हो रही विभिन्न तरह की वारदातो मे अपराधियो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसफ आई.पी.एस. एंव अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध जयपुर शहर मनीष अग्रवाल आई.पी.एस द्वारा जयपुर आयुक्तालय के समस्त थानाधिकारियो को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था। श्रीमान के निर्देशो की पालना में दुर्ग सिंह राजपुरोहित आरपीएस अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम के सुपरविजन में एंव भोपाल सिंह भाटी आरपीएस सहायक पुलिस आयुक्त आमेर जयपुर उत्तर के निर्देशन में राजेश गौतम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्रह्मपुरी के नेतृत्व मे इन्द्राज सिंह सहायक उप निरीक्षक, कानि प्रदीप न. 9209, कानि उमेशचन्द न. 4876, कानि कानाराम न. 9033, कानि नफेसिंह न. 6038, कानि रतिराम न. 9200 की टीम गठित की गई। जिनके द्वारा पुलिस थाना आमेर के कानि प्रदीप न. 10797, कानि मनीष न. 8906, गिरधारी कानि. 9759 रमेश कानि.न. 12313 के सहयोग व तकनीकी सहायता व मुखबीरी तंत्र का उपयोग कर अभियुक्तगण का लगातार पीछा कर अक्षय मीना उर्फ गुड्डु, ईशु मीणा, चित्रांश मीणा, राहुल मीणा को गिरफ्तार किया गया है।

मुल्जिमान से बरामद माल का विवरण-
मुल्जिमान के कब्जे एटीएम पर लगाने मे काम में लिये गये औजार व मास्टर चावी जप्त गई है तथा वारदात में परिवहन मे प्रयुक्त एक कार थार नम्बर RJ-02-CJ-4683 जप्त की गई है। मुल्जिमान के कब्जे से दो मोबाईल फोन तथा 13100/- रूपये बरामद किये गये है।

नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

-टाइगर-लायन सफारी बनी मुख्य आकर्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ जैविक उद्यान (नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क) में रविवार 26 अक्टूबर को पर्यटकों की भारी भीड़ देखी गई। छुट्टी का दिन और सुहावना मौसम होने के कारण पार्क में 2200 से अधिक सैलानी वन्यजीवों का दीदार करने पहुंचे। इस दौरान पार्क में संचालित टाइगर सफारी और लायन सफारी पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बनी रहीं। सहायक वन संरक्षक (ACF) देवेंद्र सिंह राठौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को कुल 2208 पर्यटकों ने जैविक उद्यान का भ्रमण किया। इनमें से 217 पर्यटकों ने विशेष रूप से टाइगर और लायन सफारी का रोमांचक अनुभव लिया। पर्यटकों ने बाघों की गर्जना और शेरों के शाही अंदाज को करीब से देखकर बेहद उत्साह जताया। पार्क में पर्यटकों की भारी आमद को देखते हुए वन विभाग की टीम ने भी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखा। मुख्य वन संरक्षक डॉ. टी. मोहनराज के निर्देशन में डीसीएफ विजयपाल सिंह और एसीएफ देवेंद्र सिंह राठौड़ ने खुद सफारियों की सघन मॉनिटरिंग की और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। रेंज अधिकारी जितेन्द्र सिंह शेखावत एवं शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम ने भीड़ नियंत्रण, टिकटिंग और वाहनों के संचालन को सुचारू रूप से संभाला। अधिकारियों के अनुसार, पार्क में संचालित लेपर्ड, टाइगर और लायन सफारी, तीनों ही जयपुरवासियों और बाहर से आने वाले पर्यटकों के लिए शहर के बीच में रोमांच का अनुभव करने का एक बड़ा केंद्र बन गई हैं।

अंता विधानसभा उपचुनाव 2025: बालदड़ा में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में जनसंपर्क किया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बालदड़ा में भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के समर्थन में जनसंपर्क किया गया। जनसंपर्क अभियान के दौरान क्षेत्र के आमजन से भाजपा के पक्ष में मतदान करने और भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील की गई। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा, किशनगंज-शाहबाद विधायक डॉ. ललित मीणा, अल्पसंख्यक मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमांडो, अंता प्रधान प्रखर कौशल, मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष अयूब खान, अल्पसंख्यक मोर्चा बारां जिला अध्यक्ष मकसूद अहमद, मोर्चा पूर्व प्रदेश मंत्री हुसैन पठान, जावेद खान सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

धाबाई जी का खुर्रा में लगातार हो रही चोरियों का खुलासा

-मकान में घुसकर की गई 35 लाख के जैवरो की चोरी की वारदात का खुलासा
-पुलिस ने कार्यवाही कर एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा आईपीएस ने बताया कि जयपुर उत्तर के थाना क्षेत्र मे चोरी, नकबजनी, लूट तथा वाहन चोरी की वारदातो मे शामिल अपराधियो की धरपकड व गिरफ्तारी हेतु सभी थानाधिकारियो को सादा वस्त्रो मे विशेष निगरानी दल गठित कर सतत निगरानी व आसूचना संकलन हेतु निर्देशित किया था। इसी अनुक्रम मे थाना माणकचौक में गठित निगरानी दल द्वारा थाना माणकचौक के क्षेत्र मे हुई नकबजनी की घटना का मौका मुआयना कर घटना के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे व अपराधियो के आने जाने के रास्तो पर निगरानी कर ईलाके मे हुई नकबजनी के आस पास के सीसीटीवी कैमरो को दिन-रात अथक प्रयास कर आसूचना संकलन कर वारदात करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार करने मे सफलता हासिल की है।

घटना का विवरण-
14 अक्टूबर 2025 को थाना माणकचौक पर परिवादी शेखर शुक्ला S/O मन मोहन शुक्ला उम्र 55 वर्ष जाति ब्राह्मण निवासी म.न. 105 ब्रह्मा मार्ग धाभाई जी का खुर्रा PS माणक चौक जयपुर ने दर्ज कराया कि दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को सांय 7.30 बजे मे कार्यालय से घर लौटा और कपडे बदलने के लिये द्वितिय तल पर अपने रुप में जाना चाहा तो सिढ़ियो का गेट अन्दर से बन्द पाया तो मे दुसरे गेट उपर गया तो पाया कमरे का गेट खुला पाया और गोदरेज की अलमारी खुली पायी और सामने बाथरुम की खिडकी टूटी पडी थी। गोदरेज की अलमारी देखने पर पाया कि उसमे रखा सोने का सारा सामान नहीं था। जिसमे एक सोने का हार, चार सोने की चूडिया, दो सोने के कडे, एक सोने की चैन और एक अंगुठी थी। 30 ग्राम सोने का टुकडा और 25000/- नकद थे कुल लगभग 25 तोला सोना (250GM) था इसके अलावा भी कोई सामान होगा तो मैं तसल्ली से देखकर बताऊंगा। वारदात के समय मेरे घरवाले (मम्मी एव पत्नि) प्रथम तल पर रसोई घर मे थी। आदि रिपोर्ट पर अभियोग दर्ज कर अनुसंधान व माल मुल्जिमान की तलाश शुरु की गई।

गठन पुलिस टीम-
अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर प्रथम डा. दुर्ग सिंह राजपुरोहित, सहायक पुलिस आयुक्त माणकचौक पीयुष कविया आरपीएस के निर्देशन मे व राकेश ख्यालिया थानाधिकारी पुलिस थाना माणकचौक जयपुर उत्तर के नेतृत्व मे वृत्त माणकचौक की टीम का गठन किया जाकर घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी फुटेज चैक कर आसुचना संकलन कर मुखबीर खास की सूचना पर नकबजनी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोर को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण हाजा का माल मशरुका को बरामद करने में सफलता हासिल की।

घटना विवरण-
मुल्जिम रेहान नशे का आदि है तथा अपने नशे की पूर्ति के लिए इस तरह कि वारदात करता है। वारदात करने से पूर्व मुल्जिम ने मकान की रैकी की तथा मौका पाकर मकान की खिडकी तोडकर मकान के अन्दर घुस गया तथा मकान में प्रवेश के अन्य रास्तो को बंद कर दिये। इसके बाद मकान में रखे कीमती सामान व ज्वैलरी को अपने साथ समेट कर मौके से फरार हो गया तथा एक स्थान पर चोरी के सामान को छुपा दिया एवं पुलिस से बचने के लिए इधर उधर घुमता रहा।

पुलिस कार्यवाही-
घटना होने के तुरन्त बाद पुलिस टीम का गठन किया जाकर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया। घटना स्थल के आस पास लगे सीसीटीवी कैमरो की जांच की गई तथा अपराधी की पहचान हेतु लगभग 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरो को चैक कर अपराधी को चिन्हित किया गया तथा गहन अनुसंधान किया गया। अपराधी के बारे मे सटीक व सही जानकारी हेतु मुखबीर खास मामुर किए गए तथा सादावस्त्रो मे पुलिस टीमो का गठन किया गया। कानि. राहुल न 8281 को प्राप्त आसूचना पर मुल्जिम को गिरफ्तार कर प्रकरण हाजा का माल मशरुका बरामद करने में सफलता प्राप्त की गई।

थाना ट्रांसपोर्ट नगर पुलिस ने अवैध रूप से गांजा बेचते महिला को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार महिला के कब्जे से 360 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा व बिकी राशि 2,350 रूपये किये जप्त

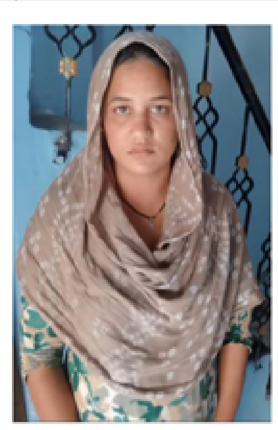

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पूर्वः संजीव नैन (IPS), पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व, ने जानकारी देते हुये बताया कि पुलिस आयुक्त जयपुर के निर्देशअनुसार जिला जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करो व बेचने वालो वह नशा करने वालो के खिलाफ चलाये जा रहे आपरेशन 'क्लीन स्वीप' के तहत समस्त थानाधिकारियों को अधिक से अधिक कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये जिस पर कार्यवाही करने हेतू अरूण कुमार (पु.नि.) पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जिला जयपुर पूर्व व पृहलाद नारायण (पु.नि.) पुलिस थाना जामड़ोली जयपुर पूर्व एवं बन्ना लाल (उ.नि.) प्रभारी जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व के संयुक्त नेतृत्व में जिला विशेष टीम व पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर एवं पुलिस थाना जामड़ोली की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों व गांजा सप्लाई करने व बेचने वालो के विरूद्ध आंसूचना संकलन कर सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुऐ अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ गांजा बेचने वाले के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर ईलाके में कार्यवाही करते हुये महिला लक्ष्मी सांसी पत्नी स्व. मंगलु सांसी उम्र 33 साल जाति-सांसी को गिरफ्तार कर आरोपी से अवैध मादक पदार्थ गांजा 360 ग्राम बिकी राशि 2,350 रूपये जप्त किये गये। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर में मुकदमा नं. 250/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। पुलिस थाना जामड़ोली ईलाके में दुसरी कार्यवाही करते हुये आरोपी रवि कुमार साहू पुत्र पृहलाद साहू उम्र 30 साल जाति-तेली निवासी तम्बाकू का पाड़ा तहसील के पीछे लालसोट पुलिस थाना लालसोट जिला दौसा हाल मकान नं. एफ-1095 जेडीए क्वार्टर मीना पाड़ली पुलिस थाना जामड़ोली जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर कब्जे से अवैध मादक पदार्थ गांजा 427 ग्राम जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना जामड़ोली में मुकदमा नं. 369/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया। गिरफ्तार आरोपी रवि कुमार साहू ने पूछताछ में बताया कि में स्वंय भी गांजा पीता हू में यह गांजा बाहर से लेकर आया था। में गांजा को जयपुर लाकर छोटी-छोटी पूड़िया बनाकर 100 व 200 रूपये के हिसाब से बेचता हू जिससे मेरा घर का खर्चा निकल जाता है। और में स्वंय भी गांजा पीता हू मुझे यहा काम करते पाँच महिने से ज्यादा समय हो गया। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर पर अनुसंधान हेतू पूछताछ जारी।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में 'एकता मार्च' का होगा आयोजन

-31 अक्टूबर को प्रात: 6 बजे गांधी सर्किल से शुरू होगी पदयात्रा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डॉ. नीरज कुमार पवन ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर 31 अक्टूबर को प्रातः 6 बजे जयपुर के गांधी सर्किल से एकता मार्च का भव्य शुभारंभ किया जाएगा। पवन ने बताया कि एकता मार्च का मार्ग जयपुर के गांधी सर्किल से बिड़ला मंदिर, रामबाग, अंबेडकर सर्किल होते हुए अमर जवान ज्योति तक रहेगा। उन्होंने बताया कि इस पदयात्रा में विशिष्टजन, प्रदेश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों, एनएसएस, एनसीसी, युवा लीडर, पुलिस, आरएसी, होमगार्ड, विभिन्न कर्मचारी संघ, एनजीओ, राजकीय कार्मिकों सहित बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे। पवन सोमवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में एकता मार्च कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने एकता मार्च में ज्यादा से ज्यादा प्रतिभागियों का भाग लेना सुनिश्चित करने और उनके लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला प्रशासन, सूचना एवं जनसम्पर्क, डीओआईटी, पर्यटन, नगर निगम ग्रेटर, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, स्काउट गाइड, हायर एजुकेशन सहित सम्बंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कॉमरेड प्रेम जी वरिष्ठ श्रमिक नेता का निधन

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । कॉमरेड प्रेम जी वरिष्ठ श्रमिक नेता का मंगलवार 21 अक्टूबर 2025 को निधन हो गया। उनका दाह संस्कार बुधवार 22 अक्टूबर 2025 को चांदपोल बाज़ार, जयपुर स्थित श्मशान घाट पर किया गया । कॉमरेड प्रेम जी एक सरल, सौम्य एवं समाजसेवा के प्रति समर्पित कर्मठ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं जननेता थे। उनके परिवार में पत्नी श्रीमती देवकी, पुत्र नरेंद्र वर्मा (अतिरिक्त जिला कलेक्टर, जयपुर), पुत्री-जमाई श्रीमती अंजु वर्मा (आरएएस, जयपुर) एवं वीरेन्द्र सिंह, पुत्री-जमाई श्रीमती मंजू वर्मा (ए.पी.ओ.)। उनके निधन का समाचार सुन समस्त भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी परिवार बहुत दुखी हुआ। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे एवं उनके परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

Scan Here

-संपादक

अंता विधानसभा उपचुनाव-2025 पर्यवेक्षक सुभाश्री नंदा ने मांगरोल में किया सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ

-मतदाताओं को दिया जागरूकता का संदेश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत मतदाता जागरूकता अभियान (स्वीप) के अंतर्गत सामान्य पर्यविक्षक सुभाश्री नंदा ने शनिवार 25 अक्टूबर को मांगरोल स्थित मतदान बूथ परिसर में सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ किया। उन्होंने सेल्फी प्वाइंट पर स्वयं फोटो लेकर आगामी उपचुनाव में शत-प्रतिशत मतदान का संदेश दिया। इस अवसर पर सुभाश्री नंदा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक मतदाता का मतदान करना अत्यंत आवश्यक है। बारां जिले के मतदाता सदैव चुनावों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते आए हैं, अतः इस उपचुनाव में भी सभी मतदाता उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करें और सर्वाधिक मतदान का नया रिकार्ड बनाएं। जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में निरंतर मतदाता जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अंता विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों एवं मतदान केंद्रों पर आकर्षक सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं, जिन पर प्रेरणादायक स्लोगन एवं शुभंकर 'मतू' के कटआउट लगाए गए हैं ताकि मतदाता मतदान के प्रति प्रेरित हों। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान उपखण्ड अधिकारी सौरभ भाम्बू, लाइजनिंग ऑफिसर एवं सहायक निदेशक जूही अग्रवाल, ईओ नगर पालिका भावेश रजक, तहसीलदार बृजेश कुमार शिहरा, एईएन अक्षय गालव, स्वीप सह प्रभारी अमित भार्गव सहित अन्य अधिकारी, स्वीप दल सदस्य एवं आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पश्चात युवाओं और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सेल्फी प्वाइंट पर फोटो खिंचवाकर मतदान जागरूकता का संदेश प्रसारित किया।

कांग्रेस के सक्रिय पदाधिकारी विष्णु प्रसाद पाटीदार झालावाड़ जिला अध्यक्ष की दौड़ में शामिल

फिरोज खान वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी द्वारा आगामी दिनों में जिले में नए जिला अध्यक्ष की घोषणा होनी है, झालावाड़ जिले में झालरापाटन, खानुपर, मनोहरथाना, डग एवंम् बांरा विधानसभा क्षेत्र आते है। झालावाड़,बांरा लोकसभा क्षेत्र में झालरापाटन, खानपुर मनोहरथाना, डग क्षेत्र में लगभग 75000 क्षत्रिय कुर्मी, पाटीदार, पटेल समाज के मतदाता निवासरत है। क्षत्रिय कुर्मी, पाटीदार, पटेल कृषक समाज होने के कारण अन्य कृषक समाज, धाकड़, नागर, तेली, राठौर, जाट मीणा, गुर्जर व एस.सी.एस.टी.राजपूत एवंम् अल्पसंख्यक समाज भी क्षत्रिय कुर्मी पाटीदार समाज से जुडे हुये है। समाज का नेतृत्व करने वाले विष्णु प्रसाद पाटीदार लोकसभा क्षेत्र की जनता से निरन्तर उनके सुख दुःख में शामिल होकर सीधा सम्पर्क बना रखा है, विष्णु प्रसाद पाटीदार 1989 से झालावाड़,बांरा लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस पार्टी के पक्ष में सक्रिय कार्यकता के रूप में कार्य कर रहे है। इनको सहयोग एवंम् आर्शीवाद मिले तो ये भविष्य में झालावाड़,बांरा लोकसभा क्षेत्र में विजय हासिल कर सकते है। ये 1988 से लगातार आज तक सक्रिय सदस्य भारतीय राष्ट्रीय कांगेस (आई) 1988 से 1990 तक उपाध्यक्ष, जिला युवक कांग्रेस, 1990 से 1995 तक उपाध्यक्ष, प्रदेश किसान प्रकोष्ठ, कांग्रेस (आई) 1992 से 2000 तक अध्यक्ष, जिला पाटीदार समाज, झालावाड़ 2000 से आज तक अध्यक्ष, पाटीदार समाज विकास संस्थान, इसके अलावा 1995 से आज तक अध्यक्ष, तिलहन उत्पादक सहकारी समिति 1994 से 1997 तक सदस्य, जिला विधिक सहायता समिति, 1995 से 2001 तक अध्यक्ष, जिला कांग्रेस सेवादल, झालावाड़ ,1996 से 2001 तक महामंत्री, जिला किसान कांग्रेस, 2001 से 2007 तक अध्यक्ष, जिला किसान कांग्रेस, झालावाड़ 2002 से 2009 तक महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी, 2003 से 2004 तक अध्यक्ष, जिला अभिभाषक परिषद्, झालावाड़। 2005 से 2009 तक अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी विधि विभाग, झालावाड़। 2009 से 2014 तक लोक अभियोजक एवं राजकीय अधिवक्ता जिला झालावाड़ 2015 से 2018 तक अध्यक्ष, राजस्थान पाटीदार समाज 2018 से आज तक सरंक्षक राजस्थान पाटीदार समाज 2021 से आज तक उपाध्यक्ष अखिल भारतीय कुर्मी, पाटीदार क्षत्रिय महासभा के रहे है ऐसे में विष्णु प्रसाद पाटीदार की दावेदारी इन महत्वपूर्ण पदों पर रहने के कारण कांग्रेस जिला अध्यक्ष पद के लिए सबसे मजबूत मानी जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के सदस्य का किया स्वागत

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। शुक्रवार 24 अक्टूबर 2025 को स्टूडेंट्स इस्लामिक ऑर्गनाइज़ेशन ऑफ़ इंडिया (SIO) यूनिट मांगरोल के सदस्यों ने नेपाल में आयोजित हुई इंडो- नेपाल यूथ इंटरनेशन चैम्पियनशिप 2025 में भारत की पुरुष कबड्डी टीम को गोल्ड मेडल व फाइनल जीतने के उपलक्ष में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में मांगरोल निवासी करण आदित्य सिंह के घर जाकर उनका सम्मान किया गया। SIO की तरफ से उन्हें सम्मान चिन्ह पेश कर उनकी कामयाबी पर मुबारकबाद दी गई । उन्होंने कहा कि खेल आपसी भाईचारे और इंसानियत के पैग़ाम को मज़बूत करने का ज़रिया है। और जब कभी भी और कही भी मेरी आवश्यकता हो तो आप मुझे याद कर सकते हो। इस मौक़े पर उन्हें यूथ फोरम, JIH मांगरोल की तरफ़ से "मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) सबके लिए" नामक किताब भी उन्हें भेंट की गई, ताकि पैग़म्बर-ए-इस्लाम की रहमत और इंसाफ़ पर आधारित तालीमात से वाकिफ़ियत बढ़ सके।

झालावाड़ में नि:शुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर हुआ आयोजित

-398 बच्चों की खतना की गई

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। हर साल की तरह इस साल भी सीरते मुस्तफा मददगार सोसायटी हबीब नगर ओर ईदगाह इंतजामिया कमेटी की जानिब से निशुल्क मुसलमानी खतना सुन्नत शिविर 23 अक्टूबर 2025 गुरुवार को ईदगाह मैदान झालावाड़ में सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब और ईदगाह सदर शराफत अली उर्फ अब्बू भाई की सदारत में लगाया गया। जिसमें 398 बच्चों की खतना की गई। सोसायटी के सेकेट्री राजू भाई हबीब नगर ओर नायब सदर बल्ला भाई पार्षद इमरान पेंटर ने बताया कि सुबह 8 बजे कुरान खानी से खतना शिविर का आगाज हुआ जो शाम 6 बजे तक चलता रहा। खतना करवाने के लिए झालावाड़ सहित पाटन गागरोन मंडावर सुकेत सातलखेडी रामगंजमंडी, भवानीमंडी, पचपाहड, अकलेरा मनोहरथाना, केथून केशवाराई पाटन सांगोद कुंदनपुर रटलाई असनावर रिछवा भालता बकानी खानपुर, बारां के अलावा एमपी से भी कई लोग तशरीफ़ लाएं। खतना शिविर के बारे में ज्यादा जानकारी देते हुए खतना शिविर इंतजामीया सदर मकसूद भाई महेशपुरा फईम जीलानी ओर केशियर मोनू भाई ने बताया कि खतना शिविर के खुशुशी मेहमान हांजी मुमताज भाई फ्रूट वाले, मुकीम भाई अब्बासी, इनाम जाफर, पार्षद मूकीम भाई, टाटा पुलिस प्रशासन से 112 गाड़ी के इचार्ज हेड राधेश्याम जी मालव, ईस्माइल अंसारी, डॉक्टर रोशन अली, रईस भाई कटपीस रहे। इनके अलावा झालावाड़ मेडिकल कॉलेज से नर्सिंग स्टाफ ने अपनी सेवाएं दी, हर साल की तरह इस साल भी बाहर से आने वाले सभी हजरात के लिए हाजी बशीर खान, महफूज भाई, हनीफ खान की जानिब से ठंडे पानी के कैंपर लगाए गए। इस मौके पर राजू भाई हबीब, बल्ला भाई पार्षद ,शाहनवाज हुसैन, रंगरेज मोनू भाई, मुख्तार मंसूरी, इमरान पेंटर, नीसार भाई, नेताजी मकसूद भाई, जाकिर भाई, आदिल बोरवेल, इमरान कारपेंटर, फैजान बोरवेल, रईस भाई मिस्त्री, राजू पेंटर, जीशान बोरवेल, फहीम भाई, जिलानी रिंकू, मंसूरी शाहरुख भाई कटपीस, साकिर भाई मिस्त्री, साजिद रज़ा क़ादरी, सोहेल भाईजान, सैफ भाई, शोएब हुसैन, बब्बन पठान, लईक खान, तौसीफ अब्बासी, बब्बल अब्बासी, माजिद खान, गोलू मतीन, इरशाद मिस्त्री, आदील पोपी, मिस्त्री बीटटू, कबानी राजा, पेंटर फैजल मंसूरी, इरशाद अब्बासी, आसिफ आर सी सी, आसीफ वेल्डिंग मौजूद रहे । खतना शिविर के सफल आयोजन के बाद सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब ने सोसायटी के सभी मेंबरान हजरात के सामने निशुल्क इज्तेमाई शादी सम्मेलन का प्रस्ताव रखा। जिसमें सोसाइटी के सभी मेंबरान हजरात ने अपनी रजामंदी दी। इसके बाद सोसायटी के सदर हाजी अब्दुल हुसैन साहब ने 29 मार्च 2026 रविवार को ईदगाह मैदान झालावाड़ में 5 जोडे का निशुल्क इज्तेमाई शादी सम्मेलन करने का ऐलान किया। अगले महीने सम्मेलन की तैयारीयां के लिए एक बड़ी मीटिंग की जाएगी जिसमें शहर के जिम्मेदार और उलेमा हजरात को भी बूलाए जाएगे, खतना शिविर में आए हुए खुसुसी मेहमान और खतना शिविर में अपनी खिदमत देने वाले सभी मेंबरान हजरात का सोसायटी के सदर (हाजी अब्दुल हूसेन साहब) (सेक्रेट्री राजू भाई हबीब नगर) (केशियर शाहनवाज हुसैन) (नायब सदर बल्ला भाई पार्षद) ने शुक्रिया अदा किया।

राईन मस्जिद का 13वां सालाना जलसा संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। राईन मस्जिद कोटा का 13वा सालाना जलसा बेहतरीन अंदाज़ में सम्पन्न हुआ। शरजील राईन ने बताया कि इस मुबारक मौके की सरपरस्ती हाफ़िज़ शेर ख़ान अशरफी ने फ़रमाई, जिनकी रहनुमाई में बच्चों ने तक़रीरें पेश कीं। हर बच्चे के लफ़्ज़ों में इल्म, अदब और मोहब्बत की खुशबू बसी हुई थी । प्रोग्राम में मेहमाने खुशिसी में मौलाना अलाउद्दीन अशरफी, अफरोज खान, अशफाक बाबा, साहिब भाई, शादाब राईन, जोनी राईन आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के आखिर में लंगर का इन्तज़ाम भी किया गया।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद भाया ने किया मतदाताओं से सघन जनसम्पर्क

-उर्मिला भाया ने भी किया बड़वा, मिर्जापुर में जनसम्पर्क

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया एवं उनकी धर्मपत्नी उर्मिला जैन भाया द्वारा रविवार को अपने समर्थकों के साथ डेढ दर्जन से अधिक गांवों में पहुंचकर आमजन के बीच जनसम्पर्क किया गया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया एवं उनकी धर्मपत्नी द्वारा विधानसभा क्षेत्र के डेढ दर्जन से अधिक गांवों में जाकर जनसम्पर्क किया गया। ग्रामीण मतदाताओं ने गांवों में भाया का माल्यार्पण, साफाबंदी व फलों से तोलकर स्वागत सम्मान किया। जिलाध्यक्ष मीणा ने कहा कि प्रमोद भाया द्वारा अन्ता विधानसभा क्षेत्र में ऐतिहासिक धार्मिक एवं विकास के कार्य करवाए गए है जबकि भाजपा के इस शासन में कांग्रेस शासन के दौरान स्वीकृत कार्य भी बंद कर दिए गए है या कछुआ चाल से चल रहे है। श्रीमती उर्मिला जैन भाया द्वारा भी रविवार को बड़वा एवं मिर्जापुर गांवों में अपने समर्थकों के साथ पहुंच कर घर-घर जनसम्पर्क करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी के पक्ष में जनसंपर्क किया।

सांसद दुष्यंत सिंह अंता-मांगरोल उप चुनाव में हुए सक्रिय

-भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन के लिए कर रहे लगातार प्रचार

बारां (रॉयल पत्रिका)। अंता मांगरोल विधानसभा उप चुनाव में भाजपा के प्रभारी सांसद दुष्यंत सिंह लगातार सक्रिय भूमिका निभाते नजर आ रहे है सुबह से लेकर देर रात तक कार्यकर्ताओं पदाधिकारीयों एवं आमजन के बीच पहुंचकर चर्चा कर भाजपा प्रत्याशी के लिए माहौल बनाते नजर आ रहे है। वही केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं नीतियों को जन-जन के बीच मे सांझा कर रहे है। रविवार को सांसद दुष्यंत सिंह, जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार, चुनाव समिति सह प्रभारी छगन माहुर, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र नागर, जगदीश मीणा, नंदलाल सुमन, भाजपा नेता सुनील गालव, जयेश गालव, प्रदीप मेरौठा, गिरिराज नागर, योगेश राजोरा, देवेंद्र नागर, कोशलेंद्र हाडा, देवेंद्र पारेता, रोहित नंदवाना, राहुल नागर, पुष्पदयाल मीणा, शहर अध्यक्ष ओपी पारेता, रामप्रसाद मीणा, जगदीश मेघवाल आदि नेताओ के साथ बामला, बड़गांव, अंता नगर व पलायथा मे बड़ी-बड़ी बैठके लेकर अंता उपचुनाव पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा की मोरपाल सुमन आपके बीच का प्रत्याशी है आप लोगो की मांग के अनुरूप स्थानीय प्रत्याशी को शीर्ष नेतृत्व ने मौका दिया है एक आम कार्यकर्ता का विधायक का प्रत्याशी बनना ये भाजपा मे ही सम्भव है अन्य पार्टियों मे टिकिट मिलना तो दूर मांग भी नही कर सकते। इस दौरान उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सरकार मे हुए विकास कार्यो को सांझा किया।

जिला न्यायाधीश ने रामगंजमंडी जेल का निरीक्षण किया

डॉ. तोहिद

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी जिला एवं सत्र न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव गीता चौधरी ने रामगंजमंडी जेल का निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष व्यास एवं सचिव चौधरी ने कारागृह में बंदियों से बातचीत की और उनकी भोजन व्यवस्था, दैनिक आवश्यकताओं एवं सुविधाओं, री चिकित्सा सेवाओं और विधिक सहायता आवश्यकताओं की जानकारी ली। उन्होंने जेल रोमप्रशासन को सभी बंदियों को समय पर पौष्टिक भोजन, स्वच्छ जल, आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बंदी को न्याय प्राप्त करने का संवैधानिक अधिकार है। उन बंदियों के संबंध में, जिनकी ओर से कोई अधिवक्ता पैरवी नहीं कर रहा, निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवेदन पत्र तत्काल भरवाने के निर्देश दिए।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया का केडर कन्वेंशन कार्यक्रम आयोजित

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। अंता विधानसभा के मांगरोल कस्बे में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया SDPI का केडर कन्वेंशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहम्मद शफी, प्रदेश अध्यक्ष अशफ़ाक़ हुसैन, स्टेट जनरल सेकेट्री नदीम अख्तर, स्टेट ट्रज़रार ज़ाकिर रंगरेज़, स्टेज कमेटी मेंबर मुफ़्ती मोहम्मद उमर, पूर्व प्रदेश कार्यकारणी सदस्य हाजी सलाम अंता, बारां ज़िला अध्यक्ष अब्दुल अज़ीज़ अज्जू, ज़िला उपाध्यक्ष अल्ताफ हुसैन, नगर कमेटी मांगरोल अध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से पार्टी के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया गया। साथ ही अंता विधानसभा उप चुनाव में SDPI द्वारा निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को समर्थन देने पर उनके लिए जी जान से जुट जाने की बात की गई। इस मौक़े पर पूर्व राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुड़ा एव अंता विधानसभा से निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के सुपुत्र ने भी आकर पार्टी कैडर्स से संवाद किया।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स का एक दिवसीय सेमिनार संपन्न

कोटा (रॉयल पत्रिका)। एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (AMP) की ओर से रविवार 26 अक्टूबर 2025 को इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियर्स, झालावाड़ रोड, कोटा में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय था "शिक्षा, रोजगार और आर्थिक के विकास के लिए 25 वर्षीय रोडमैप" प्रोग्राम के मीडिया प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार प्रोग्राम के मुख्य स्पीकर एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम के राष्ट्रीय अध्यक्ष आमिर इदरीसी थे। शहर क़ाज़ी जनाब ज़ुबैर अहमद साहब की सरपरस्त रही तथा प्रोग्राम के मुख्य अतिथि आर एन टी कालेज आफ ग्रुप के डॉ वसीम खान रहें। वक्ताओं में ए एम पी के राजस्थान चेप्टर हेड चांद मोहम्मद शेख, डॉ. ए.डी. खिलजी, प्रोफेसर अरमान शेख, हकीम बख्श, सलीम अब्बासी, चार्टर्ड अकाउंटेंट इस्लाम खान, YGN कॉलेज के चेयरमैन अरशद अंसारी, झालावाड़ से मुमताज़ अहमद, प्रोफेसर गुलाम रसूल ने अतिथियों के रूप में मौजूद रहे। सभी वक्ताओं ने शिक्षा, रोज़गार व आर्थिक विकास के क्षेत्र में प्रगति के लिए अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा आने वाले 25 वर्षों के लिए शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में एक ठोस एवं व्यवहारिक योजना तैयार करने पर सुझाव रखे, ताकि नई पीढ़ी को प्रगति के अधिक अवसर प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम के दौरान समाज सेवा में सक्रिय कई संस्थाओं अल-फलाह ट्रस्ट, इमाम हुसैन सोसाइटी, मिल्लत चैरिटेबल ट्रस्ट, मुहिम हॉस्टल, जनाब अनवार अहमद साहब और मदनी ट्रस्ट को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। प्रोफेसर डॉ. नुसरत फातिमा, प्रोफेसर डॉ. सईदा अंजुम, डॉ. सबरीना अंसारी तथा रिज़वान ज़ेड की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में कोटा संभाग (क्लस्टर हेड) इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी, कोटा जिला (चैप्टर हेड) कमरूज़ ज़मान खान, हसन ज़ुबैर खान, मजीद अंसारी, अनवार अहमद, सोहेल अहमद, इरफान खान तथा मोईन अंसारी तथा अंसारी वेलफेयर सोसाइटी कोटा का भी विशेष सहयोग रहा। अंत में कोटा चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मां खान ने आभार व्यक्त कर प्रोग्राम समाप्ति की घोषणा की।

बिशनपुरा में निर्माणाधीन स्कूल की जांच करने पहुंचे ऊर्जा मंत्री

-जिला कलेक्टर को थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और मेटेरियल टेस्टिंग के लिए निर्देशित किया

सुकेत (रॉयल पत्रिका)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने गुरुवार देर रात को कनवास तहसील के बिशनपुरा स्कूल भवन के निर्माण कार्य की जांच की है। जिसकी गुणवत्ता घटिया पाए जाने पर निर्माण कार्य को थर्ड पार्टी जांच के लिए जिला कलेक्टर को निर्देशित किया है। ऊर्जा मंत्री नागर रात्रि चौपाल के लिए बिशनपुरा पहुंचे थे। जहां ग्रामीणों ने ऊर्जा मंत्री से स्कूल भवन में घटिया निर्माण की शिकायत की थी। ग्रामीणों की शिकायत पर ऊर्जा मंत्री स्वयं देर रात घटिया सामग्री का उपयोग मिला। स्कूल में की गई डीपीसी की गिट्टी ठोकर मारने से ही उखड़ रही थी। दीवारों की ईंटें हाथों से ही निकाली जा सकती थी। जांच के दौरान नवनिर्मित बीम में क्रैक भी मिला। ग्रामीणों ने बताया कि नींव में भी रेत सोमेंट की जगह मिटटी भरी गई थी। चुनाई में भी रेतकी जगह डस्ट का प्रयोग किया गया है। जिसके बाद ऊर्जा मंत्री ने जिला कलेक्टर को पत्र लिखकर थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन और मटेरियल टेस्टिंग के लिए निर्देश दिए हैं सीईओ जिला परिषद को भी स्कूल निर्माण की जांच के लिए कहा है। उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अनुशंसा पर कोल इंडिया सीएसआर फंड से 15 लाख रुपए की लागत से दो कमरे और बरामदे का निर्माण किया जा रहा है। कार्यकारी एजेंसी पंचायत समिति के द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस दौरान ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को श्रमा नहीं मिल सकती। अधिकारी कर्मचारी और ठेकेदार की लापरवाही के खिलाफ अभियान चलाकर सबक सिखाया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कूल में जिस प्रकार से घटिया निर्माण हुआ है, पूरे स्कूल को जमींदोज कर पुनर्निर्माण कराए जाने की आवश्यकता है।

डॉ. गुलाम रब्बानी के निधन पर शोक सभा आयोजित

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मारवाड़ मुस्लिम एजुकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के संस्थापक सदस्य व संरक्षक और समाजसेवी डॉ. गुलाम रब्बानी का निधन हो गया। उनके निधन पर कुरेश कॉन्फ्रेंस (रजिस्टर्ड) की ओर से शोक सभा रखी गई। कुरेश कॉन्फ्रेंस (रजिस्टर्ड) के राष्ट्रीय महासचिव अब्दुल कय्यूम कुरैशी ने बताया कि समाजसेवी रब्बानी ने राजकीय चिकित्सा सेवा के अधिकारी रहते एमजीएच के ब्लड बैंक, उम्मेद हॉस्पिटल के उपाधीक्षक, सेन्ट्रल जेल के डिस्पेंसरी में इंचार्ज, पुलिस ट्रेनिंग सेन्टर में डिस्पेंसरी इंचार्ज जैसे महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सनोबर अली कुरैशी व राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष अलीमुद्दीन कुरैशी ने कहा कि कुरैश समाज ने एक नि:स्वार्थ समर्पित सच्चे समाज सेवक को खो दिया है।

गोविन्द सिंह डोटासरा का जयपुर से तारानगर जाते हुए चूरू में किया भव्य स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित चूरू शहर व देहात ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय मंडेलिया हाउस चूरू में स्वागत किया गया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय नेता मल्लिकार्जुन खडगे और राहुल गांधी द्वारा चलाया जा रहा संगठन सृजन अभियान की प्रक्रिया प्रदेश में दो जिलो का छोडकर पुरी कर ली गई है। अब जिलाध्यक्षों का अंतिम फैसला ऑल इंडिया कांग्रेस स्तर पर होने जा रहा है। इस अभियान से कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार होगा। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार संविधान विरोधी है, भाजपा सरकार नगर निकाय व पंचायतीराज चुनावों से भागना चाहती है, क्योंकि उन्हे पता है कि उनकी स्थिति क्या होने वाली है। उन्होने कांग्रेस कार्यकर्ता से अपील की कि वें वोटर लिस्ट का ध्यानपूर्वक अध्ययन करें जिनका नाम वोटर लिस्ट में जोडा जाना है उनका नाम जुडवाये तथा फर्जी नामों को अंकित कर उन्हे हटाने का काम करें। प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने कहा कि हम प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा का आभार व्यक्त करते है। उन्होने कहा कि गोविन्द सिंह डोटासरा ने चूरू कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मिलकर संगठन पर चर्चा कर गति देने का काम किया है, उनके चूरू आगमन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है। इस अवसर पर भाजपा की रीति-निति से परेशान होकर उमेश शर्मा भाजपा छोड कांग्रेस में शामिल हुए। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया ने उनका कांग्रेस परिवार में स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष जमील चौहान ने किया। इस अवसर पर चूरू जिला अध्यक्ष इन्द्राज खिचड, पीसीसी सचिव रियाजत खान, शहर ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात ब्लॉक अध्यक्ष किशोर धान्धू, पं.स. प्रतिपक्ष नेता धर्मेन्द्र बुडानिया, वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद हुसैन निर्बाण, किसान नेता आदूराम न्योल, पूर्व प्रधान अम्मीलाल कस्वां, रामेश्वर प्रजापति, आशाराम सैनी, रामनारायण व्यास, रमजान खान, अब्बरार खान, कमला पुनियां, संजय दीक्षित, रतनलाल जांगिड, मोहनलाल आर्य, रामप्रताप कांटिवाल, विधाधर मेघवाल, नारायण बालाण, सुनिता कपुरिया, युथ ब्रिगेड जिला अध्यक्ष गौरव शर्मा, मण्डल अध्यक्ष हमीद रिसालदार, शिवकुमार शर्मा, प्यारेलाल दानोदिया, ओम फौजी, दीपिका सोनी, बालीबाई, हर्ष लाम्बा, हेमन्त सिहाग, विमल शर्मा, शाहरूख खान, तारिख नागौरी, तोफिक खान, संजय भाटी, शेर खां मलखाण, बजरंग बजाड, सिराज खां जोईया, आबिद जाबासरिया, योगेश ढाका, अली मोहम्मद भाटी, काजी अब्बास, किशनाराम बाबल, नौमान सयैद, चन्द्रप्रकाश सैनी, विमल ओझा, विनोद खटीक, गिरधारी सिहाग, रामरतन सिहाग, असलम खां मोयल, अजीज खां दिलावरखानी, अरमान खान, श्रवण बसेर जयचंद मेघवाल, आबिद मोयल, आदिल बहलीम, मनीष कुमावत, एडवोकेट अनिस खान, अनिस खान, शंकर चंदेलिया, तोफिक खान, बाबू मंत्री, नानूराम राठी, रामानन्द न्यौल, इस्माईल भाटी, सुनिल मेघवाल, डुंगरसिंह उंटवालिया, विनोद सैनी, युनस खां जोजो, रामेश्वर नायक, ताजू खां, राजीव बहड, निरज शर्मा, कमलेश महला सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहें।

पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए की थी हत्या, 5 आरोपी गिरफ्तार

झुंझुनू (रॉयल पत्रिका)। झुंझुनू पुलिस ने 25 अक्टूबर 2025 को चर्चित हिस्ट्रीशीटर डेनिश बावरिया हत्याकांड का खुलासा करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि यह हत्या पुरानी रंजिश का बदला लेने के लिए की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि इसी साल मार्च 2025 में मृतक डेनिश बावरिया और उसके साथियों ने मुख्य आरोपी दीपक मालसरिया के साथ मारपीट कर उसकी गाड़ी तोड़ दी थी। इसी का बदला लेने के लिए दीपक, मंदीप उर्फ मदिया और हितेश मील ने डेनिश की हत्या की पूरी साजिश रची।

230 CCTV खंगाले, कई राज्यों में दी दबिश-

एसपी उपाध्याय ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए 5 विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन टीमों ने हिसार, चूरू, जयपुर, नोएडा और सीकर समेत कई ठिकानों पर दबिश दी। करीब 230 सीसीटीवी फुटेज खंगालने और तकनीकी आसूचना के आधार पर पुलिस ने 5 आरोपियों को सीकर और हरियाणा से दबोच लिया।

ऐसे दिया था वारदात को अंजाम-

पुलिस के मुताबिक, 20 अक्टूबर को आरोपियों ने पहले डेनिश की रैकी की। जब डेनिश अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी से जा रहा था, तब 3 कैंपर गाड़ियों में सवार आरोपियों ने चूरू बाईपास पर उसकी गाड़ी को टक्कर मारकर रोका। इसके बाद उन्होंने डेनिश पर लोहे के पाइपों से जानलेवा हमला किया, उसे अगवा कर लिया और रसोड़ा गांव के पास मारपीट कर मरा हुआ समझकर फेंक गए। आरोपी डेनिश की सोने की चैन और 3 लाख रुपए भी लूट ले गए थे। 21 अक्टूबर को जयपुर में इलाज के दौरान डेनिश की मौत हो गई थी। फिलहाल गिरफ्तार किए गए 5 आरोपियों से पूछताछ जारी है, जबकि हत्याकांड के मुख्य साजिशकर्ता दीपक मालसरिया और मंदीप समेत अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं।

निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ सड़क फोरलेनकरण के लिए 260 करोड़ का लोन स्वीकृत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शुक्रवार 24 अक्टूबर को राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (RSRDC) की 129वीं बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक में निम्बाहेड़ा-मंगलवाड़ सड़क के फोरलेनकरण कार्य के लिए नाबार्ड से लिए जाने वाले 260 करोड़ रुपए के लोन को मंजूरी प्रदान की गई। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री ने कम ब्याज दरों के कारण हुडको से नाबार्ड को शिफ्ट किए जा रहे 175 करोड़ रुपए के लोन की प्रक्रिया को भी स्वीकृति दी। बैठक के दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने आरएसआरडीसी के टर्नओवर और लाभ में हुई वृद्धि की सराहना करते हुए अधिकारियों से कहा कि वे कॉस्ट सेंट्रिक अप्रोच के साथ काम करें। उन्होंने निर्देश दिए कि हर परियोजना की प्रोजेक्ट-वाइज कॉस्टशीट तैयार कर उसकी समीक्षा की जाए, ताकि हर प्रोजेक्ट की वास्तविक लागत और लाभ-हानि की सटीक जानकारी प्राप्त हो सके। दिया कुमारी ने आरएसआरडीसी की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश जैसे अन्य राज्यों के रोड कॉर्पोरेशन के मॉडल का अध्ययन करें। उन्होंने कहा कि इन राज्यों की बेस्ट प्रैक्टिसेज को अपनाकर राजस्थान के कॉर्पोरेशन को वित्तीय रूप से और मजबूत बनाया जा सकता है। उपमुख्यमंत्री ने गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि क्वालिटी कंट्रोल विंग को सुदृढ़ किया जाए, ताकि हर परियोजना उच्च स्तर की गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरी हो। उन्होंने कहा कि किसी भी परियोजना में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, प्रमुख शासन सचिव (आयोजना) भवानी सिंह देथा, शासन सचिव (वित्त) नवीन जैन, शासन सचिव (पीडब्ल्यूडी) डी.आर. मेघवाल, एवं आरएसआरडीसी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपावली पर 'रामा-सामा' के दिन मुस्लिम समाज ने केंद्रीय मंत्री शेखावत को दी बधाई

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। दीपावली पर्व के दूसरे दिन मनाए जाने वाले 'रामा-सामा' के अवसर पर शहर में गंगा-जमुनी तहज़ीब की झलक देखने को मिली। इस दिन मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की बधाई दी। इस अवसर पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री कासमअली राठौड़ के नेतृत्व में समुदाय के कई गणमान्य लोग मंत्री शेखावत के निवास पहुंचे। उन्होंने मिठाइयाँ भेंट कीं और सौहार्द तथा भाईचारे का संदेश दिया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने भी सभी अतिथियों का स्वागत किया और अपने हाथों से मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि, "त्योहारों का असली अर्थ आपसी प्रेम, सम्मान और एकता में है। जब समाज के लोग मिलकर एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होते हैं, तो देश की ताकत और बढ़ती है।" कासमअली राठौड़ ने कहा कि एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होना भारतीय संस्कृति की खूबसूरत परंपरा है, जो समाज को जोड़ती है और नफरत को खत्म करती है। उन्होंने इसे जोधपुर के सामाजिक ताने-बाने की मिसाल बताया। इस मौके पर भाजपा पदाधिकारी, विभिन्न समाजों के गणमान्य नागरिक और मुस्लिम समुदाय के प्रमुख लोग मौजूद रहे। सभी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि भारत की असली पहचान उसकी सांझी संस्कृति और आपसी प्रेम में है। मौजूद लोगों ने कहा कि इस आत्मीय मुलाकात ने जोधपुर में त्योहारों की खुशियों को दोगुना कर दिया और मारवाड़ में सौहार्द की एक नई मिसाल कायम की।

नोखा-सीकर हाईवे पर दोगुना किराया वसूली

-लोक परिवहन संचालक तय दर से अधिक ले रहे किराया, छतों पर भी यात्रियों को बैठा रहे

चूरू (रॉयल पत्रिका)। नोखा-सीकर स्टेट हाईवे-20 पर लोक परिवहन बसों द्वारा यात्रियों से निर्धारित किराये से अधिक वसूली का मामला सामने आया है। इन बसों के परिचालक यात्रियों से तय दर से दोगुना किराया वसूल रहे हैं, जिससे क्षेत्र की जनता को आर्थिक नुकसान हो रहा है और उनकी सुरक्षा भी दांव पर है। राजस्थान सरकार ने सामान्य बसों का किराया पहले 85 पैसे प्रति किलोमीटर निर्धारित किया था। इसके बावजूद, लोक परिवहन बसें दोगुना किराया वसूल रही थीं। उदाहरण के लिए, सांडवा से बीदासर तक 18 किलोमीटर की दूरी का किराया 15 रुपये 30 पैसे होना चाहिए, लेकिन परिचालक 30 रुपए ले रहे हैं। इन बसों में क्षमता से अधिक सवारियां बिठाई जाती हैं। बसों की छतों पर कैरियर लगाकर उस पर भी यात्री और सामान भरा जाता है, जिससे यात्रियों की जान हर समय जोखिम में रहती है। क्षेत्र के लोगों का आरोप है कि इन बस चालकों ने राजस्थान लोक परिवहन सेवा अधिकारियों से साठगांठ कर रखी है। मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही हैं। लोगों ने परिवहन अधिकारी ओपी बुनकर से इस मामले में तुरंत संज्ञान लेकर किराये पर लगाम लगाने की मांग की है। 20 रोडवेज बसों के दैनिक संचालन की मांग। उनकी यह भी मांग है कि नोखा सीकर सड़क मार्ग पर कम से कम 20 रोडवेज बसों का दैनिक संचालन शुरू किया जाए, जिसमें 10 बसें सीकर से नोखा बीकानेर और 10 बसें बीकानेर सोवाइल से सीकर के लिए हों, ताकि लोक परिवहन बसों की मनमानी पर अंकुश लग सके। 'जांच कर कार्रवाई की जाएगी' इस संबंध में सुजानगढ़ के परिवहन अधिकारी बजरंगलाल खीचड़ ने कहा, अगर वास्तव में किराया अधिक लिया जा रहा है और बसों पर कैरियर हैं, तो उनके खिलाफ जांच करके कार्रवाई की जाएगी। अभी कार्रवाई चल रही है और स्टेट हाईवे पर भी जल्द ही जांच की जाएगी। यदि ऐसा पाया गया तो उनके खिलाफ निश्चित रूप से कार्रवाई होगी।

सेजान खान का टेबल टेनिस में गोल्ड मेडल

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर केंद्रीय विद्यालय, चूरू की कक्षा 9 के होनहार छात्र सेजान खान ने, खेल के क्षेत्र में चूरू का और समाज का नाम रोशन किया है। 23 से 26 अक्टूबर 2025 के बीच, जोधपुर में आयोजित, राजस्थान स्टेट रैंकिंग, टेबल टेनिस टूर्नामेंट 2025 में, सेमी फाइनल में, जयपुर के नैतिक वीर को, 3 - 0 से तथा फाइनल मुकाबले में, जयपुर के ही, प्रो स्टार अकैडमी के, प्रखर बाघ को 3 - 1 से शिकस्त देकर स्टेट लेवल का गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। सेजान खान अध्यापक समीर खान के पुत्र और रिटायर्ड प्रिंसिपल नजीर मोहम्मद खान का पोता है। परिवार और समाज को इस कामयाबी पर नाज़ है। शौकत खान झारिया रिटायर्ड जीएसटी कमिश्नर ने शुभकामनाएं और उज्जवल भविष्य की दुआ करते हुए कहा, "फानूस बन कर जिसकी हिफ़ाज़त हवा करे, वो शमा क्या बुझे, जिसे रोशन खुदा करे।"

जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने किया जल संसाधन विभाग के कार्यालयों का औचक निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव ने शुक्रवार सुबह हनुमानगढ़ जंक्शन स्थित जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रीन एंड क्लीन कैंपस के मानकों के अनुरूप कार्यालय परिसर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। कलेक्टर डॉ. यादव ने मुख्य अभियंता प्रदीप के साथ जल संसाधन विभाग के तीनों कार्यालयों — मुख्य अभियंता जल संसाधन (उत्तर), अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त हनुमानगढ़ तथा अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खंड द्वितीय का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर में स्वच्छता, हरियाली एवं कार्यालय प्रबंधन की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने सभी शाखाओं का निरीक्षण कर फाइलों के सुव्यवस्थित संधारण एवं त्वरित निस्तारण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालय जनता के कार्य निष्पादन का केंद्र हैं, इसलिए यहां साफ—सफाई, अनुशासन और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता पर होनी चाहिए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर को हरित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए नियमित रूप से सफाई अभियान चलाएं तथा वृक्षारोपण को बढ़ावा दें। उन्होंने अभिलेखों के रिकॉर्ड प्रबंधन को भी प्राथमिकता देने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सांचौर में एलिवेटेड पुल की सर्विस रोड जर्जर बार-बार जाम ने बढ़ाई परेशानी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर में एलिवेटेड पुल निर्माण कार्य कछुआ गति चलने से स्थानीय लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है निर्माण के दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में बनाई गई सर्विस रोड की जर्जर स्थिति अब लोगों के लिए बड़ी मुसीबत बन चुकी है जगह-जगह गड्ढों में तब्दील इस कच्ची सड़क से बार-बार जाम की समस्या उत्पन्न हो रही है। हर रोज दोपहर बाद सांचौर में हाईवे पर वाहनों की लंबी-लंबी कतारे लग जाती हैं करीब डेढ़ किलोमीटर लंबी कतार होने के कारण ट्रैफिक जाम के कारण आम राहगीरों के साथ-साथ लंबी दूरी के वाहन चालकों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंता जनक स्थिति तब बनी जब आपातकालीन एंबुलेंस भी जाम में फंस गई मरीजों को लाने ले जाने में अस्पताल पहुंचने में देरी होने से लोगों में आंखों से चिंता दोनों देखने को मिल रही हैं स्थानीय निवासियों ने बताया कि पुल निर्माण के दौरान पक्की डामरीकरण सड़क नहीं बनाने के कारण रोजाना धूल के गुब्बारे के कारण और पानी सड़क पर डालने से कीचड़ से दोपहिया वाहन बार-बार गिरते जा रहे हैं राहगीरों ने प्रशासन से सर्विस रोड की तुरंत मरम्मत कर वाहनों की आवाजाही सुचारु करने की मांग की है साथ ही बार-बार जाम की स्थिति होने के कारण लंबी दूरी के वाहनों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है कई बार धरना भी दे चुके,ज्ञापन भी दे चुके,फिर भी है हठ निर्माता के कारण सड़क निर्माण ठेकेदार द्वारा सर्विस रोड नहीं बनाने के कारण स्थानीय व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है आए दिन दुर्घटिया वाहन चालकों के हादसे होने पर भी प्रशासन अभी भी नींद में सो रहा है किसी प्रकार का कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जरूरी, संवाद से ही रोकी जा सकती है आत्महत्या- डॉ. खुशाल यादव

-"आत्महत्या रोकथाम: कारण और समाधान" विषय पर कार्यशाला

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर डॉ. खुशाल यादव की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में "आत्महत्या रोकथाम: कारण और समाधान" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों सहित आमजन में मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और आत्महत्या की प्रवृत्ति के कारणों एवं समाधान पर चर्चा करना था। कलेक्टर डॉ. यादव ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली और सोशल मीडिया के अति प्रयोग ने व्यक्ति को परिवार और समाज से दूर कर दिया है। सोशल मीडिया हमें यह एहसास कराती है कि हमारे जीवन में बहुत सी चीजों की कमी है, जबकि वास्तविकता इसके विपरीत होती है। उन्होंने कहा कि नकारात्मकता से बचने और मानसिक शांति बनाए रखने के लिए जीवन में शारीरिक गतिविधियां और सकारात्मक सोच आवश्यक हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ संवेदनशील व्यवहार करें और उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति के व्यवहार में अचानक बदलाव दिखे तो उससे संवाद अवश्य करें, क्योंकि समय पर ध्यान देने से कई बार आत्महत्या जैसे कदम को रोका जा सकता है। उन्होंने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि ब्लॉक व विभागीय स्तर पर नियमित रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं। कार्यशाला में मनोचिकित्सक डॉ. अनिल सिंह शेखावत ने भारत और राजस्थान में आत्महत्या की वर्तमान स्थिति और रुझान पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी आत्महत्या का प्रमुख कारण बनती जा रही है। डॉ. शेखावत ने कार्यस्थल पर तनाव के कारक, चेतावनी संकेतों की पहचान, समय पर हस्तक्षेप की आवश्यकता तथा परिवार व सहकर्मियों की सहायक भूमिका पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने टेलीमानस हेल्पलाइन 14416 सहित विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य सहायता प्रणालियों और रेफरल प्रक्रियाओं की जानकारी दी। कार्यशाला में एडीएम उम्मेदीलाल मीना, जिला परिषद सीईओ ओ.पी. बिश्नोई, एसडीएम मांगीलाल सुथार, नगर परिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, एसई डिस्कॉम छिछपाल सिंह, सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यशाला में भाग लिया।

भीलवाड़ा में रोजगार, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा- मुख्यमंत्री

भीलवाड़ा। प्रदेश में औद्योगिक और ऊर्जा विकास को गति देने के उद्देश्य से राज्य सरकार लगातार पहल कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भीलवाड़ा जिले की माण्डल तहसील के ग्राम धुवाला में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) को 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटित करने की मंजूरी दी है। यह भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11ए के अंतर्गत गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की शर्त पर दी गई है। इस पहल का उद्देश्य न केवल औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देना है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना है। अधिकारियों के अनुसार, नवीन औद्योगिक क्षेत्र बनने के बाद इस क्षेत्र में कई उद्योग स्थापित होंगे, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवा वर्ग के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार औद्योगिक और ऊर्जा क्षेत्र में समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। ग्राम धुवाला में औद्योगिक क्षेत्र के विकास से न केवल भीलवाड़ा जिले का औद्योगिक परिदृश्य सुधरेगा, बल्कि यह निवेश और रोजगार के नए अवसरों को भी जन्म देगा। रीको के माध्यम से यह औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकसित किया जाएगा और इसके लिए सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसे सड़कों, जल आपूर्ति और बिजली की व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाएगा। यह परियोजना प्रदेश में निवेश को आकर्षित करने और आर्थिक विकास को नई दिशा देने में सहायक होगी। इस निर्णय से भीलवाड़ा जिले के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार, व्यवसाय और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय लोगों की जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा।

गोविंद सिंह डोटासरा का मुस्ताक खान ने किया स्वागत

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय सर्किट हाउस के सामने चूरू आगमन पर प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का प्रदेश सचिव मुस्ताक खान ने सभी साथियों के साथ शाल पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रामनिवास सहारण, यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया, कांग्रेस नेता अब्दुल लतीफ कारी, लोहिया कॉलेज पूर्व महासचिव पुलकित चौधरी, छात्र नेता प्रीत चांवरिया, युवा नेता तौफीक खान मिटकी, छात्र नेता फरमान खान, पार्षद प्रतिनिधि फारुक खान, आदिल गौरी, युवा नेता सुफियान झारीया, मुदस्सर खान, समीर खान, रोहन स्वामी, नवीन डीगला, अमित डीगला, रोहित डीगला, राकेश कसवां, गोवर्धन ,साहिल तंवर, बिज्जू, खुशी मोहम्मद, मोहम्मद अली, सतार खान, यूसुफ चौहान, अंजार अली, अजीज अली, मकसूद खान, अनवर तगाला, प्रमोद ढूकिया, मोहम्मद अली कुरैशी, अनिरुद्ध सिंह, सोयल खान, आबिद खान, आवेश खान, शाहील, अदनान खान, अरमान खान, समीर, अरबाज खान, शाहबाज खान, मोहसिन खान, समीर राजा, धोनी, निजामुदिन, शाहिद खान, कैफ अरमान, सफीक, अफजल, आबिद उपस्थित रहे।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

फिल्ममेकर अमर कौशिक ने बताया फिल्म शक्ति शालिनी के लिए कैसे फाइनल हुईं अनीत पड्डा

बॉलीवुड में इन दिनों मैडॉक फिल्म्स की नई हॉरर-कॉमेडी 'शक्ति शालिनी' को लेकर चर्चा तेज है। फिल्म की सबसे बड़ी खबर यह है कि इसमें लीड रोल निभाने जा रही हैं सैयारा फेम एक्ट्रेस अनीत पड्डा। हाल ही में जब फिल्म की घोषणा का प्रोमो थिएटर्स में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना की 'थामा' के साथ दिखाया गया, तो फैंस काफी एक्साइटेड हो गए। लेकिन सवाल उठ रहा थ- अनीत पड्डा को आखिर इस फिल्म के लिए चुना कैसे गया? इसका जवाब खुद फिल्ममेकर अमर कौशिक ने दिया है।

स्क्रिप्ट लिखते वक्त आया अनीत का नाम

बॉलीवुड हंगामा के साथ एक इंटरव्यू में अमर कौशिक ने बताया कि जब शक्ति शालिनी की कहानी लिखी जा रही थी, तब उन्हें एहसास हुआ कि फिल्म के किरदार के लिए एक युवा चेहरे की जरूरत है, जो मासूमियत और गहराई दोनों साथ लेकर चले। इसी दौरान उन्होंने सैयारा फिल्म देखी, जिसमें अनीत पड्डा का अभिनय उन्हें इतना प्रभावशाली लगा कि उन्होंने तुरंत उन्हें फिल्म के लिए अप्रोच किया। अनीत ने कहानी सुनी और बिना देर किए फिल्म का हिस्सा बनने के लिए हामी भर दी।

दिसंबर 2026 में रिलीज होगी फिल्म

शक्ति शालिनी का निर्माण मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले हो रहा है और इसे 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। यह फिल्म मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स (रूाइ्ट) की अगली पेशकश होगी। दिलचस्प बात यह है कि अगले साल इस यूनिवर्स से केवल यही एक फिल्म रिलीज होने जा रही है। अमर कौशिक ने कहा, हम नहीं चाहते कि एक ही साल में कई फिल्में लाकर दर्शकों पर बोझ डालें। बेहतर है कि हर फिल्म को उसका पूरा वक्त मिले।

क्या अमर कौशिक खुद करेंगे निर्देशन?

हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि शक्ति शालिनी का निर्देशन खुद अमर कौशिक करेंगे या नहीं। जब उनसे इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि इस पर अभी चर्चा चल रही है और कुछ भी तय नहीं हुआ है। गौरतलब है कि अमर कौशिक पहले भी 'स्त्री' जैसी सुपरहिट हॉरर-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन कर चुके हैं, जिसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थी।

अमर कौशिक का अगला सपना

बातचीत के दौरान अमर ने यह भी खुलासा किया कि वो भविष्य में एक हॉरर फिल्म बनाना चाहते हैं, जो इस हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स का हिस्सा होगी लेकिन थोड़ी ज्यादा डरावनी होगी। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा- मन तो बहुत है, पर जनता मानेगी क्या? ये यूनिवर्स तो हंसाने और डराने दोनों के लिए है।

अनीत पड्डा का बॉलीवुड सफर

अनीत पड्डा ने सइयारा के जरिए फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाई थी। उनकी सादगी और नैचुरल एक्टिंग को दर्शकों ने खूब सराहा। शक्ति शालिनी उनके करियर की अब तक की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इस फिल्म से अनीत का करियर एक नए मुकाम पर पहुंच सकता है।

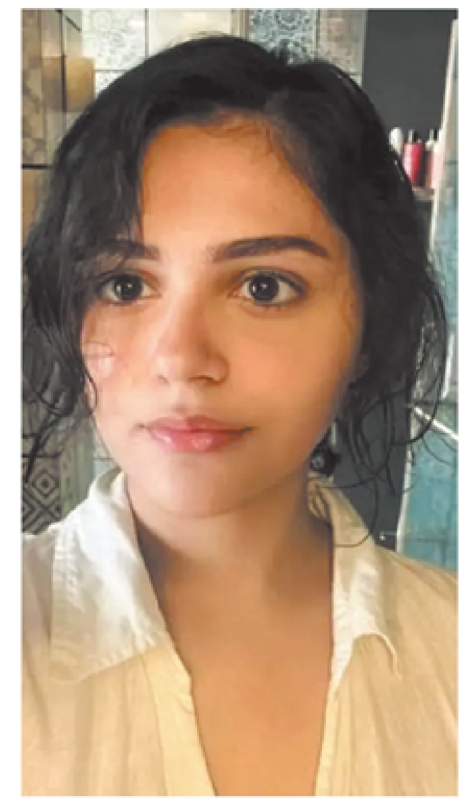

जीतेंद्र कुमार ने फिल्म भागवत को अपने करियर का सबसे अलग रोल बताया

जब एक फिल्म में दमदार कहानी, मजबूत किरदार और सामाजिक सरोकार आपस में जुड़ते हैं, तो कलाकारों को भी उससे जुड़ने का एक गहरा कारण मिल जाता है। फिल्म भागवत चैप्टर 1 -राक्षस मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय को हल्के-फुल्के कॉमर्शियल अंदाज में पेश करती है, उसी पर एक्टर जीतेंद्र कुमार ने खुलकर बातचीत की है। फिल्म में जहां अरशद एक इन्टेंस लेकिन दिलचस्प पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आने वाले हैं, वहीं जीतेंद्र एक बिल्कुल अलग अवतार में दर्शकों को चौंकाने वाले हैं।

एक एक्टर के तौर पर आप इस फिल्म से कैसे जुड़े? ऐसा क्या था जो आपको इस प्रोजेक्ट की तरफ खींच लाया?

इस फिल्म के डायलॉग राइटर सुमित सक्सेना मेरे अच्छे दोस्त हैं। हम पहले एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे जो हो नहीं पाया। फिर एक दिन उनका कॉल आया और उन्होंने कहा कि एक फिल्म है, कहानी सुननी है। मैं गया, डायरेक्टर से मिला और कहानी सुनकर तुरंत 'हां' कर दी। जो भी किरदार मैंने अब तक निभाए हैं, यह उन सबसे बिल्कुल अलग था। यही वजह थी कि मैं इस फिल्म को लेकर बहुत एक्साइटेड था। मुझे मेरे और कॉप के बीच की केमेस्ट्री बहुत दिलचस्प लगी। इस किरदार के लिए मैंने करीब 5-6 दिन स्क्रिप्ट पढ़ी, टीम के साथ डिस्कशन किए और फिर जाकर परफॉर्म किया।

फिल्म मानव तस्करी पर आधारित है, क्या शूट से पहले आपने इसके लिए कोई रिसर्च की?

मैंने डायरेक्टर से पूछा था कि मुझे अपनी ओर से कुछ रिसर्च करनी चाहिए क्या? लेकिन उन्होंने मना कर दिया। बस जितनी ब्रीफिंग मिलती गई, उसी के आधार पर मैंने काम किया।

क्या आपको लगता है कि फिल्म दर्शकों के दिलों में अपनी छाप छोड़ पाएगी? जब लोग फिल्म देखें तो उन्हें क्या महसूस होना चाहिए?

मुझे लगता है जब दर्शक फिल्म के हर मोमेंट और हर किरदार को महसूस कर सकें, तो वही हमारी जीत है। अगर वो रियलाइजेशन स्क्रीन से दर्शकों तक ट्रांसलेट हो पाए, तो एक आर्टिस्ट के तौर पर यही सबसे बड़ी सफलता होगी। मुझे लगता है कि फिल्म में आयशा का किरदार जरूर लोगों को इंस्पायर करेगा।

डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने की खबरों पर तापसी ने लगाया विराम

सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से अभिनेत्री तापसी पन्नू को लेकर खबर आ रही थी कि वो भारत छोड़कर पति के साथ डेनमार्क में शिफ्ट हो गई हैं। कहा जा रहा था कि उन्होंने भारत छोड़कर अपने पति और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बोए के साथ डेनमार्क में स्थायी रूप से बसने का फैसला कर लिया है। लेकिन अब खुद तापसी ने इन खबरों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है।

हेडलाइन से ज्यादा रिसर्च कर लो!

तापसी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साफ किया कि उनका ऐसा कोई प्लान नहीं है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा- क्या इससे कम झूठी और कम सनसनीखेज हेडलाइन नहीं मिल सकती थी? जरा रिसर्च कर लिया करो, इतनी जल्दी क्या है! तापसी ने फेक रूमर्स फैलाने वालों को आड़े हाथों लिया और फैंस को बताया कि वो मुंबई में हैं। तापसी ने पोस्ट में साफ किया कि वह फिलहाल मुंबई में अपने घर पर हैं। उन्होंने मजाकिया लहजे में लिखा- इस उमस भरी मुंबई की सुबह में डोसा खाते हुए सोच रही हूं कि ये सब आखिर है क्या!

हाल ही में एक इंटरव्यू में तापसी ने अपने डेनमार्क वाले घर के बारे में भी खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने घर में भारतीय पारिवारिक परंपरा को जिंदा रखा है। उन्होंने कहा था, मैथियास के माता-पिता हमारे साथ ही रहते हैं, उनका अपना फ्लोर है। डेनिश संस्कृति में ये आम बात नहीं है, लेकिन मुझे लगा कि परिवार के साथ रहना ही घर को घर बनाता है।

तापसी ने आगे बताया कि वह काम के हिसाब से भारत और डेनमार्क के बीच समय बांटती हैं- ज्यादातर शूटिंग्स सर्दियों में होती हैं, इसलिए मैं उस वक्त भारत में रहती हूं। जब भारत में गर्मी या बारिश होती है, तब हम डेनमार्क चले जाते हैं। इस तरह दोनों देशों के मौसम और काम के बीच तालमेल बन जाता है।

गांधारी से नेटफ्लिक्स पर वापसी

काम के मोर्चे पर तापसी जल्द ही 'गांधारी' में दिखाई देंगी, जो एक इंटेंस रिवेंज ड्रामा है। इस फिल्म का निर्देशन देवाशीष मखीजा कर रहे हैं और इसे कनिका ढिल्लों की कथा पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ होगी और इसमें तापसी का अब तक का सबसे गहरा और भावनात्मक किरदार बताया जा रहा है। इससे पहले उन्हें 'खेल खेल में' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ अक्षय कुमार, वाणी कपूर, अमी विर्क, आदित्य सील, प्रज्ञा जायसवाल और फर्दीन खान नजर आए थे।

नए शहर को समझने के लिए एक्ट्रेस सैयामी खेर का अपना अलग है स्टाइल, बताया रोम का एक्सपीरियंस

भारतीय अभिनेत्री और मॉडल सैयामी खेर ने हाल ही में रोम में अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लिया। अपनी व्यस्त जीवनशैली के बावजूद,सैयामी ने अपनी यात्रा को खास बनाने के लिए दो चीजों को जोड़ा, जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद हैं।पहला परिवार के साथ समय बिताना और दूसरा दौड़ना। उन्होंने बताया कि जब भी वह किसी नए शहर की यात्रा करती हैं तो वहां की सड़कों पर हाफ मैराथन दौड़ना उनका एक शहर को महसूस करने का एक तरीका होता है। सैयामी ने इस बार अपनी छुट्टियां अपने माता-पिता और बहन के साथ बिताई। उन्होंने रोम के खूबसूरत नजारों, ऐतिहासिक जगहों और स्वादिष्ट इटालियन व्यंजनों का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने रोम हाफ मैराथन में भी हिस्सा लिया। इंटरव्यू में सैयामी ने कहा, मेरे लिए शहर को जानने का सबसे अच्छा तरीका पैदल या दौड़कर घूमना है। रोम में दौड़ना एक अद्भुत अनुभव था। दौड़ के दौरान मैंने स्पेनिश स्टेप्स, ट्रेवी फाउंटेन और कोलोसियम जैसी प्रमुख जगहों से होकर गुजरते हुए शहर की ऊर्जा महसूस की।

सैयामी ने आगे बताया कि दौड़ के दौरान मौसम बहुत अच्छा था और हवा ताजी थी। शहर के हर कोने में इतिहास और संस्कृति की झलक मिल रही थी, जो दौड़ को और भी खास बना रही थी। उन्होंने कहा, कुछ पल ऐसे भी आए जब मुझे लगा ही नहीं कि मैं दौड़ रही हूं। मैं बस मुस्कुरा रही थी और शहर के माहौल का आनंद ले रही थी। 21 किलोमीटर दौड़ने के बाद मैंने पिज्जा और आइसक्रीम खाई और मैंने हर निवाले का पूरा आनंद लिया।

फैंस इन दिनों सैयामी की आने वाली फिल्म हैवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस फिल्म में उनके साथ सैफ अली खान, अक्षय कुमार, बोमन ईरानी और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है। यह फिल्म 2016 में बनी मलयालम फिल्म ओप्पम का रीमेक है।

अरशद वारसी ने शाहरुख के साथ अपने रिश्तों पर की बात

अभिनेता अरशद वारसी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भागवत- चैप्टर वन राक्षस को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। इस बीच अमर उजाला से खास बातचीत के दौरान अरशद ने फिल्म की कहानी, किरदार और आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में काम करने के अपने अनुभव के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने स्क्रिप्ट को असली हीरो भी बताया।

स्क्रिप्ट है असली हीरो

स्क्रिप्ट को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए अरशद वारसी ने कहा, 'मैं सिर्फ खराब स्क्रिप्ट को मना करता हूं, जॉनर को नही। चाहे एक्शन हो, कॉमेडी, ड्रामा या थ्रिलर, अगर कहानी मजबूत है, तो मैं जरूर करता हूं। कभी-कभी दोस्ती यारी के लिये हां कह देता हूं, लेकिन आमतौर पर स्क्रिप्ट मेरे लिये सबकुछ होती है। कमजोर कहानी पर कोई भी फिल्म टिक नहीं सकती।

बिना कहानी सुने 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' को हां बोला

शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान के साथ द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में काम करने के अनुभव पर अभिनेता ने कहा, मैं शाहरुख खान और उनके परिवार से बहुत प्यार करता हूं। वो लोग बेहद अच्छे इंसान हैं। कुछ दिन पहले मैंने शाहरुख से कहा था - आपने मुझे बिगाड़ दिया है। आर्यन के साथ काम करने के बाद ये बात और पक्की हो गयी। उनके घर का माहौल बहुत अपनापन भरा है। सुहाना और आर्यन दोनों बेहद सादे और जमीन से जुड़े बच्चे हैं। मैंने वो सीरीज सिर्फ शाहरुख और उनके बेटे के लिये की थी। सच कहूं तो मुझे आर्यन के लिये बहुत अफसोस है, जो कुछ उसके साथ हुआ। मुझे उसके लिये सच में बहुत सहानुभूति है। वो बहुत अच्छा लड़का है और मैं बस उसके साथ खड़ा रहना चाहता था। आर्यन ने जब मुझसे कैमियो के लिये कहा, तो मैंने बिना कहानी सुने हां कर दी। दो दिन का शूट था, लेकिन बहुत मजा आया।

घमासान में निभाएंगे डाकू का किरदार

अपने दूसरे प्रोजेक्ट 'घमासान' के बारे में बात करते हुए अरशद ने बताया कि तिग्मांशु धूलिया की घमासान में मैंने एक एलीट डकैत का रोल किया है। रोल छोटा है, लेकिन असरदार है। लंबे वक्त बाद ऐसा किरदार किया जिसमें मजा आया। ऐसे रोल करने से याद आता है कि आप सच में एक्टर हैं, वरना कभी कभी लगता है कि बस 26 साल से जोक ही मार रहा हूं।

कभी-कभी अच्छा काम करने की भी मिलती है सजा

अपनी इमेज पर अरशद ईमानदारी से कहते हैं, देखिये, पहली फिल्म में अगर आप खराब काम करते हो, तो लोग आपको अच्छे रोल देंगे। लेकिन अगर पहली ही बार बहुत अच्छा काम कर लिया, तो जिन्दगी भर वही काम मिलता रहेगा। यही इस इंडस्ट्री की हकीकत है। कभी कभी अच्छा काम करने की भी सजा मिलती है।

-साभार

सिएटल स्टॉर्म ने सोनिया रमन को बनाया मुख्य कोच, डब्ल्यूएनबीए में जिम्मेदारी संभालने वाली पहली भारतीय

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारतीय मूल की सोनिया रमन ने इतिहास रच दिया। सोनिया को महिला नेशनल बास्केटबॉल (डब्ल्यूएनबीए) की टीम सिएटल स्टॉर्म का मुख्य कोच बनाया गया है। वह इस प्रतियोगिता में किसी टीम की मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली व्यक्ति हैं। हालांकि, इसकी अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रमन पिछले सत्र में न्यूयॉर्क लिबर्टी में सहायक कोच बनने से पहले चार साल तक एनबीए के मेम्फिस ग्रिजलीज में सहायक कोच थीं। वह डब्ल्यूएनबीए में मुख्य कोच बनने वाली भारतीय मूल की पहली कोच होंगी। सिएटल ने पिछले महीने कोच नोएल क्विन को बर्खास्त कर दिया था। ईएसपीएन ने सबसे पहले इस नियुक्ति की सूचना दी। इस नियुक्ति के साथ न्यूयॉर्क एकमात्र ऐसी टीम है जिसके पास अभी भी कोई मुख्य कोच नहीं है। रमन का कोचिंग करियर एमआईटी से शुरू हुआ, जहां वह 2008 से 2020 तक मुख्य कोच रहीं। उन्होंने इस स्कूल को दो बार डिवीज़न तीन एनसीएए टूर्नामेंट में पहुंचाया और प्रतियोगिता के इतिहास में सबसे सफल कोच बनी।

पैन पैसिफिक ओपन: एलिना रयबाकिना ने सेमीफाइनल से नाम लिया वापस, जानिए कारण

टोक्यो: 2022 विम्बलडन चैम्पियन एलिना रयबाकिना ने पैन पैसिफिक ओपन सेमीफाइनल मैच से पहले नाम वापस ले लिया। यह घोषणा क्वार्टरफाइनल में जीत दर्ज करने के एक दिन बाद की गई, जिसमें रयबाकिना ने अपनी शानदार फॉर्म दिखाई थी और फाइनल्स के लिए अंतिम स्थान हासिल किया था।

पीठ की समस्या बनी बाधा

रयबाकिना ने बयान में कहा, मुझे बहुत खेद है कि मैं आज मैच नहीं खेल सकती। इस सप्ताह मेरी पीठ में लगातार दर्द बना हुआ था और मैं 100% प्रदर्शन नहीं कर सकती। यह चोट उन्हें आगामी सेमीफाइनल में लिंडा नोस्कोवा के खिलाफ खेलने से रोक रही है।

क्वार्टरफाइनल की शानदार जीत

रयबाकिना ने शुक्रवार को क्वार्टरफाइनल में विक्टोरिया म्बोको को 6-3, 7-6 (4) से हराकर फाइनल्स में प्रवेश किया। इस जीत ने उन्हें प्रतियोगिता के शीर्ष आठ खिलाड़ियों में शामिल कर दिया।रयबाकिना के लिए यह सप्ताह कठिन रहा क्योंकि चोट ने उनके फिजिकल प्रदर्शन को प्रभावित किया। विशेषज्ञों का मानना है कि फाइनल्स में उनका फिट रहना और अच्छे प्रदर्शन की संभावना पूरी तरह उनके स्वास्थ्य पर निर्भर करेगी।टोक्यो टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद, रयबाकिना ने अपनी कड़ी मेहनत और रणनीति के दम पर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर अपनी क्षमता साबित की है।

भारत ने 9 विकेट से जीता सिडनी वनडे

रोहित शर्मा 121 और विराट कोहली 74 पर रहे नाबाद

सिडनी, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का तीसरा व आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने सीरीज में क्लीन स्वीप को टाला और सीरीज 2-1 पर समाप्त हुई।

भारत के लिए इस मैच में रोहित शर्मा और विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी की। रोहित ने शतकीय पारी खेली और विराट ने शानदार पचासा लगाया। रोहित शर्मा इस पारी में 121 रन बनाकर नाबाद रहे और विराट कोहली ने 74 रनों की नाबाद पारी खेली। इसी के साथ दोनों खिलाड़ियों ने साबित कर दिया है कि उम्र सिर्फ नंबर है अभी यह दोनों खिलाड़ी भारत के लिए वनडे वर्ल्ड कप 2027 तक खेलने को तैयार हैं।

इस मैच में टॉस जीतकर पहले खेलने उतरी ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 236 रन पर ढेर हो गई थी। मेजबान टीम 46.4 ओवर में ही सिमट गई। हर्षित राणा के नाम सबसे ज्यादा चार विकेट दर्ज हुए। वहीं वाशिंगटन सुंदर ने दो विकेट झटके थे। इसके अलावा सिराज, अक्षर, कुलदीप और कृष्णा को 1-1 विकेट मिला था।

इस सीरीज के पहले दोनों मैचों में पर्थ और एडिलेड के मैदान पर भारत को हार का सामना करना पड़ा था। अब तीसरे मैच में कप्तान शुभमन गिल की भी साख दांव पर थी जहां भारत को रोहित और विराट ने आसान जीत दिलाई। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 168 रनों की नाबाद साझेदारी की और भारत को बेहतरीन जीत दिलाई।

ऑस्ट्रेलिया में सर्वाधिक बार वनडे शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने रोहित, कोहली-संगकारा को पीछे छोड़ा

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। रोहित ने 105 गेंदों पर अपने वनडे करियर का 33वां सैकड़ा पूरा किया। कोहली और रोहित के बीच दूसरे विकेट के लिए 130+ रनों की साझेदारी पूरी हो गई है। रोहित इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया में वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने जीत के लिए 237 रनों का लक्ष्य रखा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पारी 46.4 ओवर में 236 रन पर ऑलआउट हो गई। लक्ष्य का पीछा करते हुए रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल ने भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई और दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रनों की साझेदारी की। इसे हेजलवुड ने गिल को आउट कर तोड़ा। गिल 26 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 24 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर रोहित और कोहली का बल्ला गरजा। रोहित ने पहले वनडे करियर का 60वां अर्धशतक पूरा किया और फिर शानदार पारी जारी रखते हुए शतक लगाया। रोहित ने अपनी इस शतकीय पारी के दम पर कई उपलब्धियां हासिल कर ली है।

चेज करते हुए विराट कोहली ने तोड़ा सचिन का रिकॉर्ड, रोहित के साथ 19वीं बार 100+ रन की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में शून्य पर आउट होने वाले विराट कोहली आखिरकार अंतिम मुकाबले में वापसी करने में कामयाब रहे। उन्होंने 56 गेंदों में करियर के 75वें अर्धशतक के साथ रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आखिरी मुकाबला सिडनी में खेला गया। मेजबानों ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 237 रनों का लक्ष्य रखा, जिसे टीम इंडिया ने रोहित-कोहली की 150 से ज्यादा रनों की साझेदारी के दम पर नौ विकेट के शेष रहते हासिल कर लिया।

कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक लगाने के साथ ही लक्ष्य का पीछा करते हुए सर्वाधिक बार 50+ स्कोर लगाने के मामले में सचिन को पीछे छोड़ दिया है। कोहली ने वनडे में 70वीं बार चेज करते हुए 50+ स्कोर बनाया, जबकि सचिन ने इस दौरान 69 बार 50+ स्कोर किए हैं। रोहित और कोहली की जोड़ी वनडे में 101वीं बार साथ बल्लेबाजी करने उतरी। इन दोनों ने वनडे में 101 पारियों में साझेदारी की है और कुल 5300 से अधिक रन बनाए हैं। भारत के लिए वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले यह दूसरी जोड़ी है। इन दोनों से आगे इस प्रारूप में बस सचिन तेंदुलकर और सौरव गांगुली की जोड़ी है जिन्होंने 8227 रनों की साझेदारी की है। रोहित और कोहली के बीच इस दौरान 19 बार शतकीय और 18 बार ही 50+ रनों की साझेदारी हुई है।

अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएंगे लियोनल मेसी, अर्जेंटीना फुटबॉल टीम का कोच्चि में मैच स्थगित

कोच्चि, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी को खेलते देखने को उत्सुक भारतीय प्रशंसकों को निराशा मिली है क्योंकि यह खिलाड़ी अगले महीने केरल दौरे पर नहीं आएगा। इस मैच के आयोजन ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। इससे पहले इस प्रस्तावित फुटबॉल मैच के प्रायोजक एंटो ऑगस्टीन ने केरल के खेल विभाग के साथ मिलकर घोषणा की थी कि मेसी के नेतृत्व वाली अर्जेंटीना की टीम 17 नवंबर को कोच्चि में एक मैत्री मैच खेलेगी।

आयोजक ने की पुष्टि

ऑगस्टीन ने हालांकि अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट कर यह घोषणा की है कि अर्जेंटीना का यह मैत्री मैच अगले महीने नहीं होगा। ऑगस्टीन ने लिखा, फीफा की अनुमति मिलने में देरी को देखते हुए अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन (एएफए) के साथ चर्चा के बाद इस मैच को नवंबर की विंडो से स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि केरल में यह मैच अगले अंतरराष्ट्रीय सत्र के दौरान आयोजित किया जाएगा और नई तारीख की घोषणा जल्द ही की जाएगी।

केरल के खेल मंत्रालय को आधिकारिक सूचना नहीं

केरल के खेल मंत्री वी अब्दुरहमान के कार्यालय के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें मैच स्थगित किए जाने के बारे में कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। एक अधिकारी ने बताया कि विभाग संबंधित अधिकारियों से बात करेगा और कार्यक्रम में बदलाव की पुष्टि करेगा। इससे पहले एएफए के प्रतिनिधियों ने सुविधाओं का जायजा लेने के लिए कोच्चि स्थित जवाहरलाल नेहरू अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम का दौरा किया था।

विश्व कप में नहीं खेल सकेंगी महिला मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन, नाक की कराएंगी सर्जरी

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्रेटर नोएडा में अगले माह होने वाले विश्व कप फाइनल्स से पहले भारतीय मुक्केबाजी टीम को बड़ा झटका लगा है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में टोक्यो ओलंपिक की पदक विजेता मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन नहीं खेलेंगी। विश्व कप फाइनल्स में प्रत्येक भार वर्ग में दुनिया के शीर्ष आठ मुक्केबाज ही खेलने उतरेंगे।

लवलीना ने विश्व कप फाइनल्स के लिए क्वालिफाई किया था और वह यहां पदक की भी दावेदार थीं, लेकिन नाक की बढ़ी हुई हड्डी के कारण उन्होंने इस टूर्नामेंट से हटने का फैसला लिया है। वह अपनी नाक की सर्जरी कराने जा रही हैं। लवलीना विश्व कप फाइनल्स की तैयारियों के लिए एनआईएस पटियाला में चल रहे तैयारी शिविर में भी शामिल नहीं हुईं। 2023 की विश्व चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता लवलीना ने भारतीय मुक्केबाजी

महासंघ को इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने के बारे में सूचित कर दिया है। उनके भार वर्ग 75 किलो में अब पूर्व विश्व चैंपियन स्वीटी इस टूर्नामेंट में खेलने उतरेंगी।

निकहत, जैस्मिन, मीनाक्षी खेलेंगी

चैंपियनशिप में दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51), लिवरपूल में विश्व चैंपियन बनने वाली जैस्मिन (57), इसी चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली मीनाक्षी हुड्डा (48), रजत जीतने वाली नुपुर श्योराण (+80) और कांस्य जीतने वाली पूजा रानी (80) शीर्ष 8 में रहते हुए विश्व कप फाइनल्स में खेलेंगी।

सभी भार वर्गों में खेलेंगे भारतीय मुक्केबाज

पुरुष वर्ग में जदुमणि सिंह और अभिनाष जामवाल ने ही क्वालिफाई किया है, लेकिन मेजबान देश होने के नाते भारत को पुरुष-महिला वर्ग के सभी 10-10 भार वर्गों में वर्ल्ड बॉक्सिंग ने अनुमति दी है। भारत इकलौता देश होगा जो सभी भार वर्गों में मुक्केबाज उतारेगा।

पाकिस्तान खिलाड़ियों को पीसीबी ने दी बड़ी राहत, इस विदेशी लीग में खेल सकेंगे खिलाड़ी; एनओसी विवाद सुलझा

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने खिलाड़ियों को बड़ी राहत देने जा रहा है। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम सहित शीर्ष पाकिस्तानी क्रिकेटर ऑस्ट्रेलिया की आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) में भाग ले सकेंगे, क्योंकि पीसीबी ने उन्हें भागीदारी के लिए मंजूरी दे दी है। इस तरह कई हफ्तों से चली आ रही अनिश्चितता समाप्त हो गई है, जिसने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और फ्रेंचाइजी टीमों को चिंतित कर दिया था।

पीसीबी ने एनओसी किया था निलंबित

संयुक्त अरब अमीरात में एशिया कप फाइनल में भारत से पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी ने विदेशी टी20 लीग में खेलने के इच्छुक खिलाड़ियों के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) को निलंबित कर दिया था। अब मौजूदा अनुबंधित खिलाड़ियों के लिए इसे अपवाद बना दिया गया है, जिससे वे टूर्नामेंट में खेल सकेंगे। बीबीएल के 15वें संस्करण के लिए सात राष्ट्रीय खिलाड़ियों की पुष्टि हो गई है। बीबीएल का आगामी सीजन 14 दिसंबर 2025 से 25 जनवरी 2026 तक चलेगा और इसमें 44 मैच खेले जाएंगे। इन पाकिस्तानी खिलाड़ियों में बाबर आजम, शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ, शादाब खान, मोहम्मद रिजवान, हसन अली और हसन खान शामिल हैं।

सिडनी सिक्सर्स के लिए डेब्यू करेंगे बाबर आजम

बाबर आजम पर्थ स्टेडियम में पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ पहले मैच में सिडनी सिक्सर्स के लिए अपना बीबीएल डेब्यू करेंगे। शाहीन अफरीदी को ब्रिस्बेन हीट ने अपनी पहली विदेशी प्लैटिनम पिक के रूप में साइन किया है, मोहम्मद रिजवान मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगे, हारिस रऊफ मेलबर्न स्टार्स के साथ बने रहेंगे, शादाब खान सिडनी थंडर में शामिल होंगे, हसन अली को एडिलेड स्ट्राइकर्स ने ड्राफ्ट किया है और हसन खान भी रेनेगेड्स का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने टेस्ट कप्तान मसूद को सौंपी अतिरिक्त जिम्मेदारी, इस मामले का सलाहकार बनाया

कराची, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपने टेस्ट कप्तान शान मसूद को अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपी है। पीसीबी ने मसूद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और खिलाड़ी मामलों का सलाहकार नियुक्त किया है। यह पहली बार है जब किसी वर्तमान टेस्ट कप्तान को बोर्ड में किसी अन्य पद पर नियुक्त किया गया है। पीसीबी ने शुक्रवार रात शान की नियुक्ति की घोषणा की।

इस बारे में कोई उल्लेख नहीं किया गया है कि क्या शान मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व करने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन निदेशक का पद भी संभालेंगे। पीसीबी ने इस पद के लिए विज्ञापन दिया है और आवेदन करने की अंतिम तिथि दो नवंबर है। इससे पहले पीसीबी ने शान से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संचालन का नया निदेशक बनने के लिए पूछा था जबकि वह डब्ल्यूटीसी चक्र में भी टीम का नेतृत्व करते रहेंगे।

बोर्ड के भीतर चर्चा के बाद शुक्रवार को एक सूत्र ने कहा कि इस बात पर स्पष्ट सहमति थी कि शान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मामलों के विभाग का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं।

सरफराज के समर्थन में उतरे शार्दुल, बोले- घरेलू क्रिकेट से राष्ट्रीय टीम में वापसी कर सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

मुंबई टीम के कप्तान शार्दुल ठाकुर सरफराज खान के समर्थन में उतरे हैं जिन्हें पिछले कुछ समय से राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने का मौका नहीं मिला है। शार्दुल का कहना है कि सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए भारत ए दौरा खेलने की जरूरत नहीं है। शार्दुल ने भरोसा जताया कि यह बल्लेबाज घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर भारतीय टेस्ट टीम में वापसी कर सकता है।

भारत के लिए 2023-24 में इंग्लैंड के खिलाफ राजकोट टेस्ट में डेब्यू करने वाले सरफराज ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट टीम का हिस्सा थे, लेकिन उसके बाद से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के लिए छह टेस्ट खेल चुके 28 वर्षीय सरफराज को हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए की सीरीज के लिए नजरअंदाज किया गया है। सरफराज ने अपना पिछला टेस्ट मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में खेला था।

भारतीय ऑलराउंडर और मुंबई के कप्तान शार्दुल ने कहा, आजकल भारत ए टीम में ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान दिया जाता है जिन्हें वे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए तैयार करना चाहते हैं। सरफराज को अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट खेलने के लिए भारत ए के मैच की जरूरत नहीं है। अगर वह फिर से रन बनाने लगे, तो वह सीधे टेस्ट टीम में शामिल हो सकते हैं।

मुंबई के रणजी सत्र के शुरुआती मैच में जम्मू कश्मीर के खिलाफ अच्छी शुरुआत को भुनाने में नाकाम रहे सरफराज का शार्दुल ने बचाव करते हुए कहा, वह चोट के बाद वापसी कर रहे हैं। लेकिन इससे पहले, उन्होंने बुची बाबू ट्रॉफी में चोटिल होने से पहले दो-तीन शतक लगाए थे।सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में दम दिखाया और पिछले कुछ दिनों में अपना वजन भी कम कर लिया है। इसके बावजूद उन्हें मौका नहीं मिलने से फैंस हैरत में हैं। हालांकि, इसका दूसरा पहलू भी है और अगर अजीत अगरकर और भारतीय टीम प्रबंधन के नजरिए से इस फैसले को देखा जाए तो यह उतना विवादास्पद नहीं लगेगा जितना सोशल मीडिया इसे बना रहा है। ऐसे में सवाल यह उठते हैं कि क्या सरफराज टीम संयोजन की योजना में फिट नहीं बैठ रहे? न्यूजीलैंड के खिलाफ स्पिनर की अनुकूल पिच पर सरफराज की लगातार चार असफलताएं उनके बाहर होने का कारण बनीं। टेस्ट टीम में बल्लेबाजी क्रम में नंबर एक, दो और चार अब तय हो चुके हैं और नंबर पांच से आठ ऑलराउंडर से संबंधित हैं, ऐसे में एकमात्र स्थान नंबर तीन बचा है और शायद मुंबई के इस साहसी बल्लेबाज को आत्मविश्वास से लबरेज होकर एक नया स्थान आजमाने की जरूरत है।

पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र की अवधारणा बाहरी है उसे कब्जे वाले क्षेत्रों में दमन बंद करना चाहिए : भारत

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

भारत ने पाकिस्तान के लिए लोकतंत्र को एक बाहरी अवधारणा बताते हुए उससे अवैध कब्जे वाले क्षेत्रों में गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शुक्रवार को यूनाइटेड नेशंस ऑर्गेनाइजेशन-लुकिंग इंटू फ्यूचर विषय पर आयोजित खुली बहस में पाकिस्तानी दूत के उल्लेखों का जवाब देते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थाई प्रतिनिधि व राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोग भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक ढांचे के अनुसार अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा, हम निश्चित रूप से जानते हैं कि ये (लोकतांत्रिक) अवधारणाएं पाकिस्तान के लिए बाहरी हैं। दूत ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न व अविभाज्य अंग था, है और हमेशा रहेगा।

हरीश ने कहा, हम पाकिस्तान से अवैध रूप से कब्जाए गए क्षेत्रों में मानवाधिकारों के घोर उल्लंघन को रोकने का आह्वान करते हैं, जहां की जनता पाकिस्तान के सैन्य कब्जे, दमन, क्रूरता व संसाधनों के अवैध दोहन के खिलाफ खुला विद्रोह कर रही है। हरीश ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को वास्तविक, व्यापक सुधार करने होंगे और 80 साल पुरानी सुरक्षा परिषद की संरचना अब समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती। उन्होंने कहा, 1945 की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाली एक पुरानी परिषद संरचना 2025 की चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं है। भारतीय दूत ने सुरक्षा परिषद की स्थाई और अस्थाई दोनों श्रेणियों में विस्तार का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्णय लेने में ग्लोबल साउथ की आवाज को तवज्जो दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सुधारों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करना हमारे नागरिकों, विशेष रूप से ग्लोबल साउथ के लिए बहुत बड़ा नुकसान है। हरीश ने कहा, ग्लोबल साउथ बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है और इसकी अपनी अनूठी चुनौतियां हैं, विशेष रूप से विकास, जलवायु व वित्तपोषण के क्षेत्रों में। उन्होंने कहा कि वैश्विक निर्णय लेने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक व समावेशी होनी चाहिए।

सीमा पर तनाव कम करने के लिए तुर्किए में दूसरे दौर की वार्ता करेंगे पाकिस्तान और अफगानिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के अधिकारी सीमा पर जारी तनाव का बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए शनिवार को तुर्किए में दूसरे दौर की बातचीत करेंगे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कतर की राजधानी दोहा में 19 अक्टूबर को पहले दौर की वार्ता के बाद पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर अस्थाई रूप से शांति बहाल होने के बाद यह वार्ता हो रही है। इस वार्ता की मेजबानी कतर और तुर्किए ने की थी और दोनों पक्ष आपसी सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के उद्देश्य से 25 अक्टूबर को इस्तांबुल में फिर से मुलाकात करने पर सहमत हुए थे। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने शुक्रवार को एक बयान में पुष्टि की कि निर्धारित कार्यक्रम के तहत आगामी वार्ता होगी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान इस्तांबुल में तुर्किए की मेजबानी में होने वाली अगली बैठक में एक ठोस निगरानी तंत्र स्थापित किए जाने की उम्मीद करता है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहउल्लाह मुजाहिद ने भी इस्तांबुल वार्ता की पुष्टि करते हुए कहा कि अफगान प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गृह मंत्रालय के उप मंत्री मौलवी रहमतुल्लाह नजीब करेंगे। मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, बैठक में (पाकिस्तान के साथ) बाकी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साल 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बढ़े हैं। पाकिस्तान ने बार-बार अफगान अधिकारियों से पाकिस्तान में हमले करने के लिए अफगान धरती का इस्तेमाल करने वाले तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादियों पर लगाम लगाने का आग्रह किया है, लेकिन इस मामले में उसे सीमित सफलता मिली है। बढ़ते अविश्वास के कारण 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा डूरंड लाइन पर हाल ही में कई बार झड़प हो चुकी हैं।

रूस ने नौ मिसाइलें और 62 ड्रोन दागे

यूक्रेन पर रूस के हमले में कम से कम चार लोगों की मौत, 20 घायल

» कीव, भाषा।

यूक्रेन में बीती रात रूस के मिसाइल और ड्रोन हमलों में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई जबकि 20 अन्य लोग घायल हो गए। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति ने पश्चिमी देशों से वायु रक्षा प्रणाली के लिए नए सिरे से अनुरोध किया। कीव पुलिस ने कहा कि शनिवार तड़के बैलिस्टिक मिसाइल हमले में दो व्यक्तियों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। आपातकालीन सेवा ने टेलीग्राम पर लिखा कि एक स्थान पर एक गैर-आवासीय इमारत में आग लग गई, जबकि दूसरे स्थान पर मिसाइलों का मलबा खुले क्षेत्र में गिर गया, जिससे आस-पास की इमारतों की खिड़कियों को नुकसान पहुंचा। मेयर विटाली क्लिट्स्को ने हमले के दौरान टेलीग्राम पर लिखा, राजधानी में विस्फोट। शहर बैलिस्टिक हमले की चपेट में है। द्निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर व्लादिस्लाव हैवानेंको ने बताया कि क्षेत्र में रूसी हमलों में दो लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि हमलों में इमारतें, निजी घर, एक दुकान और कम से कम एक वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि रूस ने नौ मिसाइलें और 62 ड्रोन दागे, जिनमें से वायु रक्षा प्रणाली ने चार मिसाइलों और 50 ड्रोन को नष्ट कर दिया।

रूस में, देश के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणाली ने रात भर में रूस के ऊपरयूक्रेन के 121 ड्रोन मार गिराए। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने शनिवार को कहा कि इस तरह के हमलों के मद्देनजर यूक्रेन के लिए पैट्रियट रक्षा प्रणाली की आवश्यकता बढ़ गई है। उन्होंने एक्स पर कहा, यही ऐसे हमलों के कारण है कि हम पैट्रियट प्रणालियों पर विशेष ध्यान देते हैं ताकि हम अपने शहरों को इस भयावहता से बचा सकें। यह अत्यंत आवश्यक है कि जिन साझेदार देशों के पास ऐसी क्षमताएं हैं,...वे उसे लागू करें। जेलेंस्की ने कहा, अमेरिका, यूरोप और जी-7 देश यह सुनिश्चित करने में मदद कर सकते हैं कि ऐसे हमलों से लोगों की जान को खतरा न हो। ज़ेलेंस्की को उम्मीद है कि यूक्रेन अपनी हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, विशेष रूप से शहरों में, अमेरिका से 25 पैट्रियट प्रणाली खरीद सकेगा। उन्होंने अमेरिका से रूसी तेल पर अपने प्रतिबंधों को दो कंपनियों से बढ़ाकर पूरे क्षेत्र को इसके तहत लाने का शुक्रवार को आग्रह किया, तथा रूस पर जवाबी हमला करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों की मांग की। ज़ेलेंस्की दो दर्जन यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत के लिए लंदन में थे जिन्होंने देश को भविष्य में रूसी आक्रमण से बचाने के लिए सैन्य सहायता देने का वादा किया है।

भारत किसी भी व्यापार समझौते को जल्दबाजी में साइन नहीं करेगा : पीयूष गोयल

बर्लिन। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत और अमरीका ट्रेड डील पर बड़ा बयान दिया है। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि भारत जल्दबाजी में या सिर पर बंदूक तानकर व्यापार समझौते नहीं करता। उन्होंने कहा कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) और अमरीका समेत देशों और क्षेत्रों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब भारत कई प्रमुख देशों, विशेषकर अमरीका के साथ व्यापार वार्ताओं में जुटा हुआ है। जर्मनी में बर्लिन डायलॉग में उन्होंने कहा कि यूरोपीय संघ के साथ हमारी बातचीत जारी है। अमरीका से बात कर रहे हैं, लेकिन हम जल्दबाजी में सौदे नहीं करते और न ही समय सीमा तय करके या बंदूक तानकर डील करते हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत किसी भी व्यापार समझौते को जल्दबाजी में साइन नहीं करेगा और न ही अल्पकालिक लाभ के लिए अपने दीर्घकालिक आर्थिक हितों से समझौता करेगा। जब गोयल से यह सवाल किया गया कि क्या भारत को शर्तों के अनुसार लॉन्गटर्म फेयर ट्रेड डील मिल रही है, तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत ने कभी भी राष्ट्रीय हित के अलावा किसी अन्य आधार पर यह तय किया है कि उसके मित्र कौन होंगे? और अगर कोई मुझसे कहता है कि आप यूरोपीय संघ के साथ दोस्ती नहीं रह सकते, तो मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा या कोई कल मुझसे कोई कहता है कि मैं केन्या के साथ काम नहीं कर सकता है, यह स्वीकार्य नहीं है। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल इस वार्ता में भाग लेने के लिए बर्लिन में हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी ट्रेड डील को लॉन्ग टर्म नजरिए से देखा जाना चाहिए। भारत कभी भी जल्दबाजी में या किसी आवेश में आकर फैसला नहीं करता है। इसके अलावा, गोयल ने टैरिफ पर बोलते हुए कहा कि हाई टैरिफ से निपटने के लिए भारत नए मार्केट की तलाश भी कर रहा है। श्री गोयल ने ट्रेड डील को लेकर कहा कि किसी देश के खास उत्पाद को खरीदने का फैसला पूरी तरह से डील करने वाले देश का होता है। दुनिया तय करती है कि उसे कौन सा प्रोडक्ट चाहिए। श्री गोयल का यह बयान इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका भारत पर रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का दबाव बना रहा है। (एजेंसी)

नेपाल में जीप के खाई में गिरने से आठ लोगों की मौत, 10 घायल

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के कर्णाली प्रांत में 18 यात्रियों को लेकर जा रही एक जीप करीब 700 फीट गहरी खाई में गिर गया जिससे उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 10 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना शुक्रवार रात को रुकुम पश्चिम जिले के बाफिकोट स्थित झरमारे इलाके में हुई। यह वाहन मुसिकोट के खलंगा से आठबिसकोट नगरपालिका के स्यालिखाड़ी क्षेत्र की ओर जा रहा था।

पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि घटना अधिक गति से गाड़ी चलाने के कारण हुई है। पुलिस के अनुसार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक घायल ने उपचार के दौरान स्थानीय अस्पताल में दम तोड़ दिया। पीड़ितों की उम्र 15 से 30 साल के बीच थी। इस दुर्घटना में घायल हुए 10 अन्य लोगों का उपचार रुकुम जिला अस्पताल में जारी है।

एजियन सागर में नाव डूबने से 14 प्रवासियों की मौत

» तुर्की, भाषा।

मुगला प्रांत में पर्यटकों के बीच लोकप्रिय तटीय शहर बोडरम से रवाना होने के कुछ ही देर बाद नाव में पानी भरने लगा। तुर्किये के दक्षिण-पश्चिमी तट के पास एजियन सागर में 18 प्रवासियों को ले जा रही एक रबर की नाव शुक्रवार को डूब गई, जिससे कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई। तुर्किये के अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

इस दुर्घटना में दो लोग बच गए, जिनमें एक अफगान नागरिक भी शामिल है। दो अन्य लापता लोगों के लिए खोज और बचाव कार्य जारी है। क्षेत्रीय गवर्नर कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया है कि मुगला प्रांत में पर्यटकों के बीच लोकप्रिय तटीय शहर बोडरम से रवाना होने के कुछ ही देर बाद नाव में पानी भरने लगा। बयान के अनुसार, जीवित बचा एक व्यक्ति छह घंटे तैरकर किनारे तक पहुंचा, जबकि दूसरा पास के एक द्वीप पर पाया गया।

उत्तरी कैरोलिना में गोलीबारी में दो लोगों की मौत, कई अन्य गंभीर रूप से घायल

» मैक्सटन (अमेरिका), भाषा।

दक्षिण-पूर्वी उत्तरी कैरोलिना में एक सप्ताहांत पार्टी में हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। एक शेरिफ ने शनिवार को यह जानकारी दी। रॉबसन काउंटी शेरिफ बर्निस विल्किंस के कार्यालय ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि 13 व्यक्तियों को गोली मारी गई। उन्होंने शनिवार को बताया कि हत्या जांचकर्ता और अन्य लोग मैक्सटन के बाहर एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित इस पार्टी स्थल पर पहुंचे। यह स्थान दक्षिण कैरोलिना सीमा के पास रैले से लगभग 150 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है। विज्ञप्ति में कहा गया है, समुदाय के लिए वर्तमान में कोई खतरा नहीं है, क्योंकि यह एक अलग घटना प्रतीत होती है।

विल्किंस के कार्यालय ने बताया कि सुरक्षा अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही 150 से अधिक लोग वहां से भाग गए थे। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति घटना के बारे में जानकारी रखता हो या जो घटनास्थल पर मौजूद हो, वह शेरिफ के जांचकर्ताओं से संपर्क करे। गोलीबारी के बारे में ज्यादा जानकारी, जिसमें मरने वालों या घायलों के नाम भी शामिल हैं, शनिवार को तुरंत जारी नहीं की गई। किसी गिरफ्तारी की घोषणा भी नहीं की गई।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिका के टेनेसी में विस्फोटक संयंत्र में हुए धमाके का 20 मील दूर भी महसूस किया गया था प्रभाव

» मैकएवन, भाषा।

अमेरिका के टेनेसी में एक विस्फोटक संयंत्र में धमाका होने की घटना के बाद घटनास्थल से लगभग 20 मील दूर तक इसका प्रभाव महसूस किया गया था। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जांचकर्ता अब भी नैशविले से लगभग 97 किलोमीटर दूर बक्सनॉर्ट में एक्यूरेट एनर्जेटिक सिस्टम्स फैक्ट्री में 10 अक्टूबर को हुए विस्फोट में मारे गए दो लोगों के अवशेषों की पहचान नहीं कर पाए हैं। इस घटना में कुल 16 लोगों की मौत हो गई थी।

राष्ट्रीय विस्फोटक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान केंद्र में अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक ब्यूरो के विशेष प्रभारी एजेंट ब्राइस मैकक्रैकन ने बताया कि संयंत्र स्थल पर जांच पूरी हो गई है, लेकिन विस्फोट के कारणों का पता लगाने में महीनों का समय लग सकता है। नैशविले डिवीजन में एटीएफ के विशेष एजेंट प्रभारी जेमी वैनव्लिट ने कहा ने कहा, जांच निष्कर्ष इतनी जल्दी नहीं बताए जा सकते। इसमें समय लगेगा। अधिकारियों ने बताया कि घटना के दिन 24,000 से 28,000 पाउंड विस्फोटकों में धमाका हुआ।

कैमरून में चुनाव परिणामों से पहले प्रदर्शन, विपक्षी नेता गिरफ्तार

» याओंडे (कैमरून), भाषा।

कैमरून में राष्ट्रपति चुनाव के सोमवार को जारी होने वाले परिणाम से पहले विरोध प्रदर्शन हुए और इस बीच दो विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी पार्टी ने यह जानकारी दी। आर्थिक केंद्र डौआला में शुक्रवार देर रात यूनियन फॉर चेंज राजनीतिक मंच के दो शीर्ष नेताओं- अनिसेट एकाने और ज्युकम चमेनी को गिरफ्तार कर लिया गया। इन दोनों ने 12 अक्टूबर के चुनाव में उम्मीदवार इसा चिरोमा बकारी का साथ दिया था और राष्ट्रपति पॉल बिया को हराने के उनके दावे का समर्थन किया था।

अफ्रीकन मूवमेंट फॉर न्यू इंडिपेंडेंस एंड डेमोक्रेसी (एमएएनआईडीईएम) पार्टी ने कहा कि उसके कोषाध्यक्ष और अन्य सदस्यों का स्थानीय सुरक्षाबलों ने अपहरण कर लिया है। कैमरून के निर्वाचन निकाय द्वारा चुनाव का अंतिम परिणाम सोमवार को घोषित किए जाने की उम्मीद है लेकिन विपक्षी समर्थकों ने हाल के दिनों में विरोध प्रदर्शन किया है तथा मतदान में धांधली के प्रयास के खिलाफ चेतावनी दी है। पश्चिमी क्षेत्र की राजधानी बाफौसम में शनिवार को विरोध प्रदर्शन हुए और प्रमुख सड़कों पर मोटरसाइकिल सवार उमड़ पड़े तथा पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया की मांग की गई।

प्रदर्शनों में शामिल न हों लोग, समाधान बातचीत से होगा आंदोलन से नहीं : नेपाल सरकार

» काठमांडू, भाषा।

नेपाल के गृह मंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने शनिवार को सभी संबंधित पक्षों से पांच मार्च को होने वाले आम चुनाव से पहले सड़कों पर विरोध प्रदर्शन करने के बजाय कार्यवाहक सरकार के साथ बातचीत करने का आह्वान किया। गृह मंत्रालय ने आम जनता को यह भी चेतावनी दी कि सोशल मीडिया के माध्यम से घोषित विरोध गतिविधियों में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने वाले तत्व घुसपैठ कर सकते हैं।

गृह मंत्री आर्यल ने विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के बाद मीडियाकर्मियों से कहा, सरकार समस्याओं के समाधान के लिए बातचीत और चर्चा के लिए हमेशा तैयार है। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की उपस्थिति में उनके आधिकारिक आवास बलुवतार में आयोजित यह उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक, आम चुनावों की तैयारियों और सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा के लिए प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ उनकी बैठक के कुछ दिनों बाद हुई है। मंत्री की यह अपील ऐसे समय में आई है, जब विभिन्न समूह विभिन्न मांगों को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आर्यल ने कहा, सरकार राजनीतिक मांगों पर ध्यान देती है इसलिए बातचीत जरूरी है। सड़क पर उतरने की कोई जरूरत नहीं है। अपने अधिकारों की बात करते समय दूसरों के अधिकारों के प्रति जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने कहा, गृह मंत्रालय ने सभी पक्षों से सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान न पहुंचाने का आग्रह किया। हम सभी राजनीतिक ताकतों और आंदोलनकारी समूहों से हिंसक गतिविधियां न करने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बैठक में देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति का गहन मूल्यांकन किया गया। मंत्री ने कहा, सरकार सुरक्षा व्यवस्था को सामान्य बनाकर पांच मार्च के चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस बीच, गृह मंत्रालय ने एक बयान में आम जनता से सोशल मीडिया के माध्यम से घोषित धरना-प्रदर्शनों, रैलियों और विरोध कार्यक्रमों में भाग लेने से बचने का आग्रह किया है। मंत्रालय ने साथ ही चेतावनी भी दी कि ऐसी गतिविधियों में अस्थिरता पैदा करने वाले तत्व घुसपैठ कर सकते हैं।

थाईलैंड की राजमाता सिरिकित का 93 साल की उम्र में निधन

बैंकॉक, भाषा। थाईलैंड की राजमाता कही जाने वाली पूर्व महारानी सिरिकित का शुक्रवार को 93 साल की उम्र में निधन हो गया। शाही परिवार से जुड़ी जानकारी देने वाले द रॉयल हाउसहोल्ड ब्यूरो ने कहा कि सिरिकित ने बैंकॉक के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। ब्यूरो ने बताया कि वह 17 अक्टूबर से रक्त संक्रमण से जूझ रही थीं और चिकित्सा टीम के प्रयासों के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। ब्यूरो के अनुसार, सिरिकित को 2012 में स्ट्रोक हुआ था, जिसके बाद बिगड़ती सेहत के कारण वह सार्वजनिक कार्यक्रमों से अक्सर दूर रहती थीं। उनके पति महाराजा भूमिबोल अदुल्यादेज का अक्टूबर 2016 में निधन हो गया था। सिरिकित का जन्म 12 अगस्त 1932 को बैंकॉक में हुआ था। वह 1950 से 2016 तक थाईलैंड की महारानी रहीं। ब्यूरो ने एक बयान में कहा कि महाराजा महा वजीरालोंगकोर्न ने निर्देश दिया है कि सिरिकित का अंतिम संस्कार सर्वोच्च सम्मान के साथ किया जाए। उन्होंने शाही परिवार के सदस्यों और शाही सेवकों को एक साल तक शोक मनाने का भी निर्देश दिया है। सिरिकित के निधन की खबर सुनने के बाद शनिवार सुबह शोकाकुल लोग चुलालोंगकोर्न अस्पताल के बाहर जमा हो गए। प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नविराकुल ने शनिवार को कहा कि सिरिकित का निधन देश के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी एजेंसियों के कार्यालयों पर 30 दिनों तक राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सरकारी कर्मचारी एक साल तक शोक मनाएंगे।

सिंगापुर के अस्पताल में व्यक्ति का उत्पीड़न करने के आरोप में नर्स को जेल

» सिंगापुर, भाषा।

सिंगापुर के एक अस्पताल में नर्स के तौर पर काम करने वाले भारतीय नागरिक को एक व्यक्ति के उत्पीड़न का आरोप स्वीकार करने के बाद एक वर्ष और दो महीने की जेल और दो कोड़े मारे जाने की सजा सुनाई गई है। द स्ट्रेट टाइम्स की खबर के अनुसार एलिप शिवा नागू (34) ने जून में रैफल्स अस्पताल में एक पुरुष आगंतुक का उत्पीड़न किया था। खबर में कहा गया है कि नागू ने दावा किया था कि वह पीड़ित व्यक्ति को कीटाणु मुक्त करना चाहता था। इस अपराध के तुरंत बाद नागू को अस्पताल से निलंबित कर दिया गया था। पीड़ित की उम्र समेत सभी विवरण अदालती दस्तावेजों से हटा दिए गए।

उप लोक अभियोजक यूजीन फुआ ने बताया कि पीड़ित 18 जून को अपने दादा से मिलने नॉर्थ ब्रिज रोड स्थित अस्पताल गया था, जो वहां भर्ती थे। उन्होंने कहा कि शाम लगभग 7:30 बजे पीड़ित रोगी के शौचालय में घुसा, इस दौरान एलिप ने शौचालय के अंदर झांका। फुआ ने बताया कि पीड़ित को कीटाणुरहित करने के बहाने एलिप ने उसके हाथ पर साबुन लगाया और उससे छेड़छाड़ की।

67वां रेमन मैग्सेसे पुरस्कार सात नवंबर को फिलीपीन की राजधानी मनीला में दिया जाएगा

भारत की लड़कियों की शिक्षा के लिए मैग्सेसे पुरस्कार वैश्विक प्राथमिकता को दर्शाता है : एनजीओ संस्थापक

» लंदन, भाषा।

मुंबई स्थित एजुकेट गर्ल्स को हाल में 2025 के रेमन मैग्सेसे पुरस्कार के विजेता के रूप में पहला भारतीय गैर-लाभकारी संगठन (एनजीओ) नामित किए जाने के बीच इसकी संस्थापक का मानना है कि यह इस बात की स्वीकृति है कि लड़कियों की शिक्षा एक क्षेत्रीय मुद्दा नहीं बल्कि एक वैश्विक प्राथमिकता है। गरीबी और निरक्षरता के कुचक्र को तोड़ने के लिए 2007 में लड़कियों को सशक्त बनाने के वास्ते एनजीओ एजुकेट गर्ल्स की स्थापना करने वाली सफीना हुसैन हाल ही में लंदन में थीं और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एशिया का प्रमुख सम्मान दर्शाता है कि जब समुदाय, नागरिक समाज और सरकारें एक साथ काम करती हैं।

तो जन-संचालित दृष्टिकोण जमीनी समस्याओं को हल कर सकते हैं। हुसैन ने पीटीआई-भाषा से कहा, मैग्सेसे पुरस्कार प्राप्त करने वाला पहला भारतीय संगठन बनना एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा, हमारे लिए, यह पुरस्कार उन हजारों लड़कियों का है जिन्होंने अपने सपनों को छोड़ने से इनकार कर दिया, हर उस परिवार का जिसने अपनी बेटी को स्कूल में रखने का फैसला किया, हर उस स्वयंसेवक का जिसने घरों का दरवाजा खटखटाया, हर उस राज्य सरकार का जिसने हमारे साथ साझेदारी की, हर उस दानदाता का जिसने हम पर विश्वास किया। यह दुनिया को बताता है कि लड़कियों की शिक्षा कोई स्थानीय मुद्दा नहीं, बल्कि एक वैश्विक प्राथमिकता है। 67वां रेमन मैग्सेसे पुरस्कार सात नवंबर को फिलीपीन की राजधानी मनीला में दिया जाएगा। हुसैन ने कहा, 10 साल में, हम एक ऐसी दुनिया देखना चाहते हैं जहां हर लड़की माध्यमिक स्कूल की पढ़ाई पूरी कर ले, जहां शिक्षा अपवाद न होकर आदर्श हो, और जहां लैंगिक असमानता एक ऐसी चीज हो जिसे हम केवल इतिहास के रूप में देखें।

उपनिवेशवाद से सहयोग तक भारत-ब्रिटेन संबंधों पर आधारित किताब का लंदन में विमोचन

लंदन, भाषा। पिछले सात दशकों में भारत के प्रमुख सहयोगियों में से एक ब्रिटेन के साथ बदलते संबंधों की पृष्ठभूमि में विश्व मंच पर भारत की प्रगति को दर्शाने वाली एक किताब का यहां विशेष कार्यक्रम में विमोचन किया गया। वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक टिप्पणीकार अशोक टंडन द्वारा लिखित पुस्तक द रिवर्स स्विंग कोलोनियलिज्म टू कोऑपरेशन में अगस्त 1947 में भारत की स्वतंत्रता के बाद से लेकर वर्तमान समय तक भारत-ब्रिटेन संबंधों का वर्णन किया गया है, जिसमें हाल ही में संपन्न मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से व्यापार और आर्थिक सहयोग को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की संभावना है। ब्रिटेन में भारतीय पत्रकार संघ (आईजेए) द्वारा शुक्रवार शाम को आयोजित पुस्तक लोकार्पण और परिचर्चा में उन महत्वपूर्ण मील के पत्थरों पर विचार किया गया, जिन्होंने दोनों देशों के बीच आज की घनिष्ठ साझेदारी को आकार दिया है। टंडन आईजेए के पूर्व अध्यक्ष भी हैं। टंडन ने कहा, यह पुस्तक पिछले सात दशकों में भारत-ब्रिटेन के राजनीतिक संबंधों का विश्लेषण है, जो उन परिस्थितियों और घटनाक्रमों पर प्रकाश डालती है, जिनके कारण ब्रिटेन में भारतीयों की स्व-शासन की क्षमता और कई अन्य पहलुओं के बारे में हृदय परिवर्तन हुआ।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,